संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 100
पृष्ठ 8
रविवार
28 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इन ५ तरीकों को स्किन केयर....
विचार- किसी पाने वाले को देने वाला...
खेल- इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ...

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले-

असम में 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा कि साल 2027 में होने वाली जनगणना से ये स्पष्ट भी हो जाएगा। गुवाहाटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की जनसांख्यिकी को लेकर चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा, 2027 की जनगणना से पता चल जाएगा कि असम में रहने वाली कुल आबादी में से 40 फीसदी जनसंख्या बांग्लादेशी मुसलमानों की है। सीएम सरमा ने कहा, 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, अगर हम कहें कि 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। 2021 में कोई जनगणना नहीं हुई। 2027 में जब जनगणना होगी तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या 40 प्रतिशत के करीब होगी।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है। असम के मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब उनकी सरकार ने राज्य में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ बिना किसी समझौते के सीधी कार्रवाई करने की नीति अपनाई है।

पीएम मोदी ने प्रकाशोत्सव पर गुरु गोबिंद सिंह जी को दी श्रद्धांजलि, कहा

साहस, करुणा और त्याग के प्रतीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज देशभर में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्मदिन के अवसर पर प्रकाशोत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी ने गुरु जी के साहस, करुणा और बलिदान की याद दिलाई और कहा कि उनका जीवन पीढ़ियों को सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने हमेशा सेवा और निस्वार्थ कर्तव्य की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हम उनके सामने श्रद्धा के साथ झुकते हैं। उनका जीवन हमें मानव सम्मान की रक्षा करने और धर्म के लिए खड़े होने की सीख देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर इस साल की अपनी यात्रा के दौरान तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने वहां श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के पवित्र जोड़े साहिब का दर्शन किया। पटना साहिब गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मस्थान है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गुरु जी की एकता, करुणा और सभी के प्रति सम्मान की शिक्षाएं आज भी मानवता को मार्गदर्शन देती रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह, जो सिख धर्म के दसवें गुरु थे, संकट और कठिनाइयों में भी अपने आदर्शों के लिए समर्पण और साहस का प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अनुयायियों को न्याय और आत्म–सम्मान की रक्षा के लिए प्रेरित किया और उन्हें एकजुट किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में राष्ट्रपति ने लिखा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने अदम्य साहस और दूरदर्शिता के साथ लोगों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने अनुयायियों को एक ऐसी शक्ति बनाया, जो बड़े से बड़े विरोधियों का सामना कर सके और न्याय व सम्मान के आदर्शों की रक्षा कर सके। राष्ट्रपति ने सभी को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनके जीवन और शिक्षाएं आज भी हमें सत्यमार्ग पर चलने और समाज में सद्भाव स्थापित करने की प्रेरणा देती हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने किया एलान-

देशव्यापी मनरेगा बचाओ अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के खिलाफ देशभर में अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पांच जनवरी से पूरे देश में मनरेगा बचाओ अभियान शुरू करेगी। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी खरगे की तरह ही अपील की है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद खरगे ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को बचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी और सरकार के फैसले का विरोध करेगी। खरगे ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं है, बल्कि यह संविधान की ओर से दिया गया काम करने का अधिकार है। इसे कमजोर या खत्म करना गरीबों और मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा को खत्म करने के फैसले से लोग नाराज हैं और सरकार को इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। खरगे के अनुसार, कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी।

खरगे ने कहा कि मनरेगा को खत्म किए जाने के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। उन्होंने तीन कृषि कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह कड़े विरोध के बाद सरकार को वे कानून वापस लेने पड़े थे, उसी तरह मनरेगा के मामले में भी जनता की आवाज उठेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की एक श्सुनियोजित साजिशश है। उन्होंने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। खरगे ने कहा, मनरेगा यूपीए सरकार का एक दूरदर्शी कानून था, जिसकी सराहना पूरी दुनिया में हुई। उन्होंने कहा कि इस योजना का असर इतना बड़ा था कि इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। मनरेगा को खत्म करना महात्मा गांधी का अपमान है। यह काम करने के अधिकार पर सीधा हमला है।उन्होंने आरोप लगाया कि (केंद्र की नरेंद्र) मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन, मूल्यांकन या राज्यों और राजनीतिक दलों से सलाह लिए इस कानून को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसा ही तरीका तीन कृषि कानूनों के साथ अपनाया था। उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ पूरे देश में आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले का हर जगह विरोध होना चाहिए और इसके लिए 2015 में जमीन अधिग्रहण कानून में किए गए बदलावों को वापस लेने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि मनरेगा को लेकर ठोस योजना बनाएं और देशभर में जन अभियान शुरू करें। उन्होंने कहा, राहुल (गांधी) जी ने वोट चोरी को लेकर कई उदाहरण और तथ्य सामने रखे हैं। भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे मतदाताओं के नाम न हटाए जाएं। खासकर दलितों, आदिवासियों, अत्यंत पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के नाम न तो हटाए जाएं और न ही दूसरे मतदान केंद्रों में स्थानांतरिक किए जाएं। इसके लिए हमारे बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को घर–घर जाना होगा। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों की भी निंदा की और कहा कि पूरा देश इसे लेकर चिंतित है। खरगे ने यह भी कहा कि कथित तौर पर भाजपा और आरएसएस से जुड़े संगठनों की ओर से क्रिसमस डे के आयोजनों पर किए गए।

गुरु गोबिंद सिंह का संघर्ष निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है : सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए शनिवार को कहा कि अन्याय और अधर्म के विरुद्ध उनका

संघर्ष निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्सश पर पोस्ट कर कहा, ''महान संत एवं धर्मयोद्धा, साहस और त्याग की प्रतिमूर्ति, खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता गुरु श्री गोबिंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि–कोटि नमन। उन्होंने कहा, ''अन्याय व अधर्म के विरुद्ध आपका संघर्ष और धर्मरक्षा का संदेश संपूर्ण मानवता को सत्य, निष्ठा एवं निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

आगामी विधानसभा चुनाव में डीएमके जीत हासिल कर सत्ता में वापसी करेगी : एमके स्टालिन

तिरुवनमलाई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी, द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके), आगामी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने सरकार के कल्याणकारी शासन और राज्य भर में विकास पहलों का हवाला दिया। तिरुवन्नामलाई जिले के मलप्पामबाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए और कल्याणकारी सहायता वितरित करते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु के लोगों ने डीएमके की समावेशी नीतियों में बार–बार अपना विश्वास दिखाया है।उन्होंने कहा, ष्आप सभी को देखकर मुझे नई ऊर्जा मिली है। तिरुवन्नामलाई एक विशेष स्थान है। इसने डीएमके को उसका पहला सांसद दिया। यह इतिहास हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महज चार वर्षों में उनकी सरकार ने कई ऐसी योजनाएं लागू की हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, हमने आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया है, विशेषकर महिलाओं के लिए। हमारी पहलों के माध्यम से महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता मिलती है, और 13 लाख से अधिक महिलाएं हमारी योजनाओं से सीधे लाभान्वित होती हैं।सीएम ने आगे कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के परिणामस्वरूप अब तक लगभग 900 करोड़ यात्राएं हो चुकी हैं, जिससे उनका वित्तीय बोझ कम हुआ है और आवागमन में सुधार हुआ है।स्टालिन ने मुख्यमंत्री नाश्ता योजना की सफलता पर भी जोर दिया, जिससे वर्तमान में प्रतिदिन 19.4 लाख स्कूली बच्चों को लाभ मिल रहा है और उपस्थिति और सीखने के परिणामों में सुधार करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा, ये केवल कल्याणकारी उपाय नहीं हैं, ये तमिलनाडु के भविष्य में निवेश हैं।तिरुवन्नामलाई जिले के लिए नई विकास परियोजनाओं की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अय्याथुर में 1 करोड़ रुपए की लागत से एसआईडीसीओ औद्योगिक एस्टेट स्थापित किया जाएगा। कलासपक्कम मंदिर में अवसंरचना सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा, जबकि चेंगम सरकारी कला महाविद्यालय के लिए 18.5 करोड़ रुपए की लागत से एक नई इमारत का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने 1 करोड़ रुपए की लागत से एक आधुनिक कृषि नर्सरी और 3 करोड़ रुपए के व्यय से मलायूर में एक कृषि विस्तार केंद्र की स्थापना की भी घोषणा की। किसानों की सहायता के लिए 2.40 करोड़ रुपए की लागत से एक बीज भंडारण सुविधा भी स्थापित की जाएगी।

ममता बनर्जी का आरोप

संबलपुर हत्या के बाद बंगाली भाषियों का उत्पीड़न, जीरो एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के संबलपुर जिले में पश्चिम बंगाल के एक 30 वर्षीय प्रवासी मजदूर की कथित हत्या के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि मामले में श्जीरो थ्थ्श दर्ज की जा चुकी है और जांच के लिए राज्य पुलिस की एक टीम ओडिशा भेजी गई है।

मुख्यमंत्री ने बीजेपी–शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ जबरन उत्पीड़न और हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के जांगीपुर क्षेत्र (मुर्शिदाबाद) से गए प्रवासी मजदूरों को संबलपुर में गंभीर अत्याचारों का सामना करना पड़ा है। ममता बनर्जी के मुताबिक, बुधवार 24 दिसंबर को बीड़ी को लेकर हुए कथित विवाद के बाद युवक की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने सूती थाने में जीरो थ्प्त्द दर्ज कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि जांच के लिए राज्य पुलिस की एक टीम ओडिशा भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मैं बीजेपी–शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ हो रहे अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा करती हूं।

केरल के सीएम विजयन को कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का जवाब- हमारे राज्य के मामले में दखल न दें

बंगलूरू,एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री को उत्तरी बंगलूरू में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी में मुस्लिम आवासीय क्षेत्रों को कथित तौर पर ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को चौंकाने वाला और पीड़ादायक बताया। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा था कि फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में वर्षों से रह रहे मुस्लिम परिवारों के घर गिराए जाना दर्दनाक और चौंकाने वाला है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए डी के शिवकुमार ने कहा, यह पूरी तरह एक राजनीतिक बयान है। बिना तथ्य जाने पिनरई विजयन को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यह चुनाव के समय किया गया राजनीतिक हथकंडा है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर झुग्गियां बनी थीं, वह ठोस कचरा प्रबंधन के लिए नौ साल पहले अधिसूचित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह जगह एक पुरानी खदान

और कचरा डंपिंग साइट है, जो बेहद खतरनाक और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कुछ लोगों ने रातों–रात अवैध रूप से कब्जा कर लिया। यह जमीन हड़पने का मामला है। इसमें किसी समुदाय को निशाना बनाने की बात बिल्कुल गलत है। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, हमने सिर्फ सार्वजनिक जमीन की रक्षा की है। यह शहर के बीचों–बीच स्थित कचरा प्रबंधन की जगह है। हम ऐसे अवैध स्लम को बढ़ावा नहीं दे सकते। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस सरकार मानवीय दृष्टिकोण रखती है और नियमों के तहत पात्र लोगों को वैकल्पिक आवास दिया जाएगा। डीके शिवकुमार ने आगे कहा कि जो लोग वास्तव में जरूरतमंद और पात्र हैं, उन्हें राजीव गांधी आवास योजना के तहत घर दिए जाएंगे। लेकिन बिना कारण सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को संरक्षण नहीं मिलेगा। शिवकुमार के अनुसार, अधिकतर अतिक्रमणकारी बाहरी लोग हैं और कुछ ही स्थानीय हैं। उन्होंने बताया कि यह इलाका ब्यातरायनपुरा विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा विधायक हैं। उन्होंने कहा, वह वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं और उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए थे कि किसी भी तरह की भूमि हड़पने की कोशिश न होने दी जाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बंगलूरू में स्लम हटाने की कार्रवाई कोई नई बात नहीं है, यह एक नियमित प्रक्रिया है।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे पर रेलगाड़ियों की नई समय-सारणी दिनांक 01.01.2026 से प्रभावी हो रही है। इसी क्रम में निम्नलिखित रेलगाड़ियों के ओरिजिनेटिंग/टर्मिनेटिंग स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय में परिवर्तन तथा ठहराव समय में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों के आगमन/प्रस्थान समय में परिवर्तन दिनांक 01.01.2026 से प्रभावी

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - स्टेशन तक	स्टेशन पर समय में परिवर्तन	वर्तमान समय	संशोधित समय
14164	मेरठ नगर-सूबेदारगंज	सूबेदारगंज	आ. 08:30	आ. 08:25
14118	भिवानी-प्रयागराज	प्रयागराज	आ. 12:55	आ. 12:50
22443	कानपुर सेन्ट्रल-बान्द्रा ट.	कानपुर सेन्ट्रल	प्रा. 18:10	प्रा. 17:50
12403	प्रयागराज-लालगढ़	प्रयागराज	प्रा. 23:10	प्रा. 23:05
20403	प्रयागराज-लालगढ़	प्रयागराज	प्रा. 23:10	प्रा. 23:05
14116	प्रयागराज-डा. अम्बेडकर नगर	प्रयागराज	प्रा. 15:20	प्रा. 15:10
13310	प्रयागराज-चोपन	प्रयागराज	प्रा. 15:00	प्रा. 14:50
64204	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	कानपुर सेन्ट्रल	प्रा. 06:55	प्रा. 07:00
12447	मानिकपुर-ह.निज़ामुद्दीन	मानिकपुर	प्रा. 18:15	प्रा. 18:00
54158	फर्रुखाबाद-कानपुर अनवरगंज	कानपुर अनवरगंज	आ. 00:50	आ. 00:55
15038	कासगंज-कानपुर अनवरगंज	कानपुर अनवरगंज	आ. 18:20	आ. 18:30
55347	कानपुर अनवरगंज-फर्रुखाबाद	कानपुर अनवरगंज	प्रा. 19:15	प्रा. 19:20
64582	दिल्ली-हाथरस किला	हाथरस किला	आ. 22:00	आ. 22:10
64585	हाथरस किला-हाथरस जं.	हाथरस किला	प्रा. 22:10	प्रा. 22:20
64581	हाथरस किला-दिल्ली	हाथरस किला	प्रा. 05:50	प्रा. 05:45
64114	नई दिल्ली-अलीगढ़	अलीगढ़	आ. 21:10	आ. 21:25
64102	दिल्ली-अलीगढ़	अलीगढ़	आ. 21:30	आ. 21:55
64151	अलीगढ़-दिल्ली	अलीगढ़	प्रा. 15:05	प्रा. 15:05
12209	कानपुर सेन्ट्रल-काठगोदाम	कानपुर सेन्ट्रल	प्रा. 06:10	प्रा. 06:05

प्रमुख स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के ठहराव समय में वृद्धि दिनांक 01.01.2026 से प्रभावी

गाड़ी संख्या	रेलगाड़ी का नाम	वर्तमान समय	संशोधित समय
अलीगढ़ जं.			
12419	गोमती एक्सप्रेस	12:08-12:10=2"	12:05-12:10=5"
12420		14:46-14:48=2"	14:45-14:50=5"
मानिकपुर जं.			
15231	बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस	03:08-03:10=2"	03:05-03:10=5"
22441	इण्टरसिटी	16:25-16:27=2"	16:25-16:30=5"

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं० 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2513/25(DG)

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माघ मेला-2026 के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों के टर्मिनल स्टेशन में परिवर्तन, ठहराव का स्थानान्तरण एवं शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों के टर्मिनल (स्टेशन) में परिवर्तन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - स्टेशन तक	परिवर्तित टर्मिनल सूबेदारगंज स्टेशन पर आ./प्रा. समय	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12417	प्रयागराज-नई दिल्ली	प्रस्थान 22:15	02.01.26 से 17.02.26
12418	नई दिल्ली-प्रयागराज	आगमन 06:55	01.01.26 से 16.02.26
12403	प्रयागराज-लालगढ़	प्रस्थान 23:15	02.01.26 से 17.02.26
20403	प्रयागराज-लालगढ़		
12404	लालगढ़-प्रयागराज	आगमन 04:40	01.01.26 से 16.02.26
20404	लालगढ़-प्रयागराज		
22438	आ.विहार टर्मि.-प्रयागराज	आगमन 06:15	12.01.26 से 24.01.26
12276	नई दिल्ली-प्रयागराज		
12275	प्रयागराज-नई दिल्ली	प्रस्थान 00:30* (अगले दिन, 00:00 बजे के बाद प्रस्थान होने के कारण, टर्मिनल परिवर्तन के बाद निर्धारित प्रस्थान सूबेदारगंज से 22:35)	13.01.26 से 25.01.26
22437	प्रयागराज-आ.विहार टर्मि.		

नोट: *(1) गाड़ी संख्या 22437/12275 के टर्मिनल परिवर्तन के पश्चात सूबेदारगंज स्टेशन से प्रस्थान का निर्धारित समय 22:35 बजे है। तथापि, उक्त गाड़ी को अगले दिन 00:30 बजे प्रस्थान हेतु पुनर्निर्धारित किया गया है उदाहरणार्थ: गाड़ी संख्या 12275 अपने प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 16.01.2026 को सूबेदारगंज से प्रस्थान हेतु निर्धारित है, दिनांक 17.01.2026 को 00:30 बजे प्रस्थान करेगी, और आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा।
(2) उपरोक्त गाड़ियों, उपर्युक्तानुसार आरंभ होने वाली यात्रा के अनुसार, प्रयागराज-सूबेदारगंज-प्रयागराज के बीच यात्री सेवा हेतु उपलब्ध नहीं रहेंगी।

प्रयागराज जं. से सूबेदारगंज स्टेशन पर ठहराव स्थानान्तरित

गाड़ी संख्या	कहां से कहां तक	प्रयागराज पर वर्तमान समय (आगमन)	प्रयागराज पर वर्तमान समय (प्रस्थान)	सूबेदारगंज स्टेशन पर समय (आगमन)	सूबेदारगंज स्टेशन पर समय (प्रस्थान)	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
डाउन रेलगाड़ियां						
12506	आनन्द विहार टर्मि.-कामाख्या	16:05	16:15	15:55	16:05	02.01.26 से 17.02.26
12324	बाड़मेर-हावड़ा	16:25	16:30	16:15	16:20	03.01.26 से 14.02.26
12488	आनन्द विहार टर्मि.-जोगबनी	16:55	17:00	16:45	16:50	02.01.26 से 17.02.26
12424	नई दिल्ली-डिब्रुगढ़	23:08	23:10	22:58	23:00	02.01.26 से 17.02.26
12306/12302	नई दिल्ली-हावड़ा	23:41	23:43	23:31	23:33	02.01.26 से 17.02.26
12310	नई दिल्ली-राजेन्द्र नगर टर्मि.	00:01	00:03	23:51	23:53	02.01.26 से 17.02.26
अप रेलगाड़ियां						
12309	राजेन्द्र नगर टर्मि.-नई दिल्ली	00:10	00:12	00:15	00:17	01.01.26 से 16.02.26
12305/12301	हावड़ा-नई दिल्ली	02:43	02:45	02:48	02:50	01.01.26 से 16.02.26
12423	डिब्रुगढ़-नई दिल्ली	02:53	02:55	02:58	03:00	31.01.26 से 15.02.26
12323	हावड़ा-बाड़मेर	06:45	06:50	06:50	06:55	02.01.26 से 13.02.26
12487	जोगबनी-आनन्द विहार टर्मि.	11:40	11:45	11:45	11:50	01.01.26 से 16.02.26
12505	कामाख्या-आनन्द विहार टर्मि.	12:25	12:30	12:30	12:35	01.01.26 से 16.02.26

नोट: उपरोक्त सभी रेलगाड़ियों का प्रयागराज जं. के स्थान पर सूबेदारगंज स्टेशन पर ठहराव होगा तथा प्रयागराज जं. से होकर बिना ठहराव गुजरेंगी।

गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - स्टेशन तक	शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन	शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन स्टेशन पर आ./प्रा.	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
22550	प्रयागराज-गोरखपुर	फाफामऊ	प्रा. 15:35	13.01.26 से 25.01.26
22549	गोरखपुर-प्रयागराज	फाफामऊ	आ. 12:55	13.01.26 से 25.01.26
13309	चोपन-प्रयागराज	प्रयागराज छिवकी	आ. 12:55	02.01.26 से 17.02.26
13310	प्रयागराज-चोपन	प्रयागराज छिवकी	प्रा. 15:15	02.01.26 से 17.02.26

नोट- ट्रेनों से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं० 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2481/25(DG)

एसटीएफ जिसे तलाश रही...उसी 50 हजार इनामी ने मर्डर किया

प्रयागराज में गैंगवार में अफसर की हत्या, जौनपुर का इनामी है शूटर शानू मंसूरी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में हिस्ट्रीशीटर अफसर अहमद की हत्या में कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। अफसर को 9 गोली मारने वाला बाबा 315 गैंग का भाड़े का शूटर शानू मंसूरी था। कुख्यात अपराधी शानू मंसूरी पर जौनपुर से 50 हजार का इनाम घोषित है जबकि प्रयागराज से 25 हजार का इनामी है।

फरार शानू मंसूरी को एसटीएफ और पुलिस तलाशती रही जबकि वह बड़े आराम से प्रयागराज में अफसर की रेकी कर अपने शूटरों के साथ हत्या कर सनसनी फैला गया। अब प्रयागराज के नसीम हत्याकांड में शूटर शानू उर्फ वकील की करतूत सामने आने के बाद एसटीएफ ताबड़तोड़ छापेमारी में जुट गई है।

30 साल का शानू मंसूरी प्रयागराज के फूलपुर का रहने वाला है। जौनपुर में शानू ने डबल मर्डर कर सनसनी फैला दी थी। इसी हत्याकांड के बाद उस पर 50 हजार का इनाम घोषित हुआ। जौनपुर के अलावा शानू के कई मामलों में फरार है।

वर्ष 2018 में फूलपुर में भाजपा नेता पवन केसरी की गोली मार हत्या की गई थी। इस हत्याकांड की महिला गवाह को शानू मंसूरी ने अगवा कर लिया था। कई दिनों बाद पुलिस ने महिला को आजमगढ़ बरामद किया था।

इसी अपहरण कांड में फरार हुए शानू पर प्रयागराज पुलिस ने 25 हजार रुपए इनाम घोषित किया है। कुख्यात शानू मंसूरी पर प्रयागराज, जौनपुर, भदोही में 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

अफसर की हत्या के बाद उसकी पत्नी शकीला बानों ने 6 नामजद और दो बाइक सवार 4 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कराया है। नामजद आरोपियों में अतीक, आसिफ उर्फ दुर्रानी, वाजिद अली उर्फ बचऊ, मंसूर उर्फ झल्लू, गुलफान, अकबर शामिल हैं।

पुलिस की जांच आगे बढ़ी तो साफ हुआ कि इस हत्याकांड की प्लानिंग, रेकी और शूटआउट में शानू पूरी तरह शामिल रहा।

असल में नसीम बाबा का दोस्त और गैंग मेंबर अतीक शानू का रिश्तेदार है। नसीम की मौत के बाद अतीक समेत अन्य गैंग मेंबरों ने उसकी कब्र पर कसम खाई थी कि अफसर को मौत के घाट उतारेंगे।

अतीक लगातार शानू के संपर्क में रहा। जब अफसर जेल से छूटने के बाद लापरवाह हो गया और अकेले घूमने लगा तो अतीक ने शानू से संपर्क कर हत्याकांड की प्लानिंग कर ली।

नसीम बाबा के गैंग मेंबरों ने कसम खाने के बाद बदला पूरा किया। जब अफसर की हत्या की तो उसी रात मऊआइमा में सरगना नसीम बाबा की कब्र पर फूल चढ़ाए गए। ऐसा बदला पूरा होने के बाद किया गया। यह मामला मऊआइमा में चर्चा में है।

16 दिसंबर की रात प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र के कंचनपुर इलाके में शूटरों ने अफसर अहमद को गोलियों से छलनी कर दिया था। अफसर को 9 गोली मारी गई थी। हत्याकांड में शामिल एक भी शूटर अब तक पकड़े नहीं गए हैं।

अफसर को सरेआम घेरकर 5 गोली मारी गई थी। शूटरों ने दो गोली सिर, दो पेट और एक पैर में मारी। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी खंगाले तो अफसर के पीछे लगे शूटर नजर आए हैं। इतना तो साफ है कि हिस्ट्रीशीटर की हत्या के लिए रेकी और प्लानिंग काम आई। हत्या से पहले अफसर के 2 सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं।

4 मिनट 26 सेकेंड और 1.7 सेकेंड की इस फुटेज में अफसर अपने दोस्त रिटायर्ड पुलिसकर्मी वसी के साथ नजर आता है। अफसर और उसका दोस्त नहर ददौली पर रुकते हैं। यहां रसगुल्लों की कई दुकानें हैं। नमकीन भी बिकता है। अफसर रसगुल्ला खाता है और पैक कराता है।

इसी दुकान के सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध शूटर भी नजर आए हैं। पुलिस ने दो संदिग्धों को छांटा है जो अफसर का पीछा करते हुए वहां तक पहुंचे थे। एक के कंधे पर बैग है। दोनों संदिग्ध अफसर के पीछे पीछे वहां तक पहुंचते हैं और उसके निकलने के बाद फिर निकल जाते हैं।

शक तो यहां तक है कि अफसर की हत्या उसी दुकान पर होनी थी लेकिन दुकान पर काफी भीड़, महिलाएं और बच्चों की वजह से शूटरों को इरादा बदलना पड़ा।

अफसर की सनसनीखेज हत्या फिल्मी स्टोरी जैसी है। अपने गैंग में दोस्त को शामिल करना। फिर दोस्ती में दरार के बाद नया गैंग तैयार होना। इसके बाद वर्चस्व की जंग। फिर समझौते की साजिश और दोस्त से दुश्मन बने दूसरे गैंगस्टर को गोलियों से छलनी कर देना।

जनवरी 2024 की हत्या का बदला दिसंबर 2025 को लिया। क्योंकि मारे गए गैंगस्टर नसीम की पत्नी के सामने उसके गैंग मेंबरों ने कसम खाई थी कि अफसर को मार कर ही रहेंगे।

मूलरुप से प्रतापगढ़ के देल्हूपुर थाना क्षेत्र के जद्दोपुर का रहने वाले अफसर की ससुराल प्रयागराज में है। प्रतापगढ़ में क्राइम करने के बाद अफसर ससुराल मऊआइमा थाना क्षेत्र के मऊआइमा आकर रहने लगा। यहां से उसने गैंग संचालन शुरू किया।

गैंग बनाकर वर्चस्व कायम किया। लूट, रंगदारी, जमीन कब्जा आदि में जुट गया। इसी बीच इसकी दोस्ती उसी गांव के रहने वाले नसीम उर्फ बाबा से हुई। नसीब बाबा भी अफसर के गैंग में शामिल हो गया।

12 जनवरी 2024 को दुश्मनी के बीज पड़े। नसीम उर्फ बाबा के करीबी मुश्ताक को अफसर ने बीच बाजार 2 थप्पड़ मार दिए। नसीम ने बाद में विरोध किया तो अफसर ने उसे भी धमका दिया। इसके बाद नसीम ने अपना अलग गैंग बना लिया। दोनों गिरोह के बीच वर्चस्व की लड़ाई चलने लगी। कई बार दोनों गिरोह में फायरिंग आदि हुई।

इसके बाद 19 जनवरी को किसी ने बीच में पड़ दोनों में समझौता कराने की तैयारी की। 19 जनवरी 2024 की रात आठ बजे अफसर और नसीम अपने गैंग मेंबरों के साथ पहुंचे। यहां बात बिगड़ गई और नसीम को गोलियों से छलनी कर दिया गया।

नसीम की हत्या के बाद जमकर बवाल हुआ। फायरिंग और आगजनी हुई। इस मामले में अफसर, उसका बेटा रुस्तम, साथी जुनैद आदि जेल गए। इसी हत्या का बदला लेने के लिए नसीम गैंग के मेंबर लगे रहे।

मारे गए अफसर के चाचा मो. हदीर जद्दोपुर प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। वह कस्टम इंस्पेक्टर रहे हैं। अफसर के पिता रईसुल जमा पुलिस में सिपाही थे। परिवार के अन्य लोग ठेकेदार हैं।

प्रयागराज में कारोबारी से गनपॉइंट पर लूट का वीडियो

मुंह ढककर 3 बदमाश पहुंचे, बोले– चिल्लाया तो मार देंगे, गड्डियां लेकर भागे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में दिनदहाड़े गन पॉइंट पर कपड़ा व्यापारी से लूट हुई। 3 बदमाश मुंह बांधकर बाइक से पहुंचे। शॉप में घुसते ही पिस्टल निकालकर कर्मचारियों पर तान दी। फिर दो बदमाश केबिन में बैठे कारोबारी के पास गए। पिस्टल दिखाकर कहा– चिल्लाना मत, नहीं तो मार देंगे। यह सुनकर कारोबारी दहशत में आ गए।

इस बीच, बदमाशों ने गल्ले को खंगाला। करीब 1 लाख रुपए कैश लूट ले गए और फरार हो गए। वारदात का सीसीटीवी भी सामने आया है। 3 बदमाश लूटपाट करते नजर आ रहे हैं। 2 बदमाशों ने टोपी और मास्क से मुंह ढका था, जबकि तीसरे ने गमछे से मुंह बांध रखा था। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की 2 टीम बनाई है। मामला प्रयागराज के लालगोपालगंज का है।

चेहरा ढककर पहुंचे बदमाश : प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर 36 किमी दूर लालगोपालगंज बाजार है। यहां दिनेश केसरीवानी की विराट ट्रेडर्स के नाम से कपड़ों की थोक दुकान है। शुक्रवार शाम 6रू15 बजे काले रंग की बाइक से 3 बदमाश दुकान के पास पहुंचे। बाइक खड़ी कर तीनों पैदल दुकान के अंदर पहुंचे। तीनों ने अपने चेहरे ढक रखे थे।

जान से मारने की धमकी देकर लूट की : काउंटर पर मौजूद दिनेश केसरीवानी के छोटे भाई दिलीप केसरीवानी को एक बदमाश ने पिस्टल सटा दी, जबकि दूसरे बदमाश ने दुकान में काम कर रहे कर्मचारी अमन अंसारी को गोली मारने की धमकी देते हुए बैठा दिया। फिर तीसरा बदमाश दिनेश केसरीवानी के पास पहुंचा और उन्हें भी गोली मारने की धमकी दी। इसी बीच अमन को धमका रहा बदमाश भी वहां आ गया। फिर दोनों बदमाशों ने गल्ले में रखी नकदी समेटी।

व्यापारी से शोर मचाकर लोगों को बुलाया : इसके बाद तीनों बदमाश बाइक पर सवार होकर कुंडा–प्रतापगढ़ की ओर भाग निकले। घटना के बाद दिलीप केसरीवानी और अमन अंसारी ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के व्यापारी मौके पर जुट गए। व्यस्त इलाके में सरेआम हुई लूट से व्यापारियों में दहशत फैल गई।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस : लूट की सूचना मिलते ही नवाबगंज थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी, जिसमें बदमाश वारदात को अंजाम देते दिखाई दिए। पुलिस तलाश में लगी रही, लेकिन बदमाशों का देर रात तक कोई पता नहीं चल सका। व्यापारी दिलीप केसरीवानी ने बताया– लूट की रकम करीब एक लाख रुपए से ज्यादा हो सकती है। एसीपी सोरांव श्यामजीत प्रमिला सिंह ने कहा– बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 2 टीमों के साथ एसओजी गंगानगर को लगाया गया है।

प्रयागराज में ट्रक की टक्कर से सफाई कर्मचारी की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के फूलपुर थाना क्षेत्र के अगरा पट्टी गांव में तैनात एक सफाई कर्मचारी की शुक्रवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा प्रयागराज–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अरवांसी गांव के सामने हुआ। वह सड़क पार कर ढाबे पर खाना खाने जा रहे थे। सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सफाई कर्मचारी के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने घायल को इलाज के लिए फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान वरुण यादव (36) पुत्र पतई यादव के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पिथौरपुर थाना क्षेत्र के मेहनगर, जनपद आजमगढ़ के रहने वाले थे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं० - GSU-ST-PCOI-8-2025

ई-निविदा सूचना

डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है :-

निविदा संख्या : 8	काम की अनुमानित लागत : 41107185.05
कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के छिवकी स्टेशन पर लाइन संख्या 14 और 15 को ध्वस्त करके लाइन संख्या 13 और 16 के बीच एक द्वीप प्लेटफार्म के निर्माण का प्रावधान के लिए मौजूदा ई आई और संबंधित एस एंड टी कार्य में संशोधन/परिवर्तन।	
अग्रिम राशि : 355500.00	निविदा प्रपत्र की लागत : 0.00
समापन अवधि : 6 Months	निविदा खुलने की तिथि : 19.01.2026

निविदा प्रपत्र की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर राशि जमा करना एवं उसका रूप : उपरोक्त लिखित अग्रिम राशि केवल इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जानी चाहिए। निविदाकर्ता (ओं) को ध्यान देना चाहिए कि, किसी भी मामले में, उपरोक्त निर्दिष्ट के अलावा किसी अन्य रूप में धरोहर राशि स्वीकार्य नहीं होगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतया अस्वीकृत कर दी जाएगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 12:30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जाएंगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन।

निविदा से डील हेतु रेलवे के अधिकार : रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को स्थगित/संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

काम की समान प्रकृति : ईआई के डिजाइन, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग या ईआई के परिवर्तन से संबंधित कोई सिग्नलिंग का कार्य। 2512/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

प्रयागराज में पुलिस ने फर्जी वीडियो बनाया

गिरफ्तार होने के बाद आरोपी लंगड़ाते हुए दिखे, पुलिस कमिश्नर ने जांच के आदेश दिए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के डायलॉग पर, कार पर खड़े होकर और स्टंट करते हुए रील बनाई। सोशल मीडिया पर रील वायरल हुई तो पुलिस ने एक्शन लिया। पुलिस चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई करते हुए तीन कारें सीज कर दीं।

गिरफ्तार होने के बाद चारों आरोपी माफी मांगने लगे। इसके बाद पुलिस ने सोचा कि क्यों न अब अपना भौकाल दिखाया जाए। पुलिस ने चारों युवकों को लंगड़ाने के लिए बोला। पुलिस वालों ने लंगड़ाने के लिए इशारा किया। फिर युवकों ने भी लंगड़ाने की भरपूर एक्टिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने बकायदा इसका वीडियो तैयार किया। फिर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने इसे सोशल मीडिया पर अपलोड किया। अब यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

असल में 25 दिसंबर को एयरपोर्ट थाना पुलिस ने माफिया अतीक अहमद के स्टाइल में रील बनाने को लेकर मुकदमा दर्ज किया था। अतीक अहमद की धमकाने वाली वॉयस रिकॉर्डिंग लगाकर चारों युवकों ने रील बनाई थी।

एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों मोहम्मद सुनेफ, शुभम कुमार भारती, मोहम्मद हमदान और नूर आलम को गिरफ्तार किया है। रील बनाने में इस्तेमाल की गई तीन लग्जरी कारों को भी जब्त किया गया है। इन्हीं युवकों को जेल भेजते समय पुलिस ने लंगड़ाने की एक्टिंग कराई है।

गिरफ्तार किए आरोपियों की पहचान उमरी के रहने वाले नूर आलम, मोहम्मद हमदान और मोहम्मद सुनेफ के रूप में हुई है। चौथा आरोपी झलवा का रहने वाला शिवम कुमार है। पुलिस ने रील बनाने में इस्तेमाल की गई सेल्टोस और डिजायर कार को भी सीज कर लिया है। सेल्टोस सुनेफ, जबकि डिजायर शिवम के नाम पर रजिस्टर्ड है।

आरोपियों की अलग–अलग इंस्टाग्राम आईडी पर कई खतरनाक वीडियो अपलोड किए गए हैं। वीडियो एयरपोर्ट रोड, नैनी का नया पुल और अन्य जगहों के हैं। आरोपी चलती कार पर खतरनाक स्टंट करते रहते हैं। एक रील के बैकग्राउंड में श्इतनी गोली मारो, जितना प्रदेश के इतिहास में न चली होश जैसे आपत्तिजनक और दहशत फैलाने वाले डायलॉग का इस्तेमाल भी किया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं० - GSU-ST-TS-7-2025

ई-निविदा सूचना

डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है :-

निविदा संख्या : 7	कार्य की अनुमानित लागत : 14933335.10
कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के कानपुर और प्रयागराज के इलेक्ट्रिक ट्रिप शेड में 48/12 फाइबर, भूमिगत दूरसंचार केबल की ट्रेंचिंग, बिछाने, जोड़ने, समाप्त करने और चालू करने तथा सीसीटीवी, आईपी-फोन, स्विच आदि की आपूर्ति, स्थापना और परीक्षण का प्रावधान।	
अग्रिम राशि : 224700.00	निविदा प्रपत्र की लागत : 0.00
समापन अवधि : 12 Months	निविदा खुलने की तिथि : 16.01.2026

निविदा प्रपत्र की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर राशि जमा करना एवं उसका रूप : उपरोक्त लिखित अग्रिम राशि केवल इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जानी चाहिए। निविदाकर्ता (ओं) को ध्यान देना चाहिए कि, किसी भी मामले में, उपरोक्त निर्दिष्ट के अलावा किसी अन्य रूप में धरोहर राशि स्वीकार्य नहीं होगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतया अस्वीकृत कर दी जाएगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 12:30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जाएंगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन।

निविदा से डील हेतु रेलवे के अधिकार : रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को स्थगित/संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

काम की समान प्रकृति : ईआई के डिजाइन, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग या ईआई के परिवर्तन से संबंधित कोई सिग्नलिंग का कार्य। 2504/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

बिजनौर में प्री मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर शुरू, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर में राष्ट्रीय महिला आयोग का प्री मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर शुरू हो गया। शनिवार को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने सेंटर का उद्घाटन किया। अब लोग शादी से पहले यहां आकर वैवाहिक जीवन से जुड़ी परामर्श ले सकेंगे। सेंटर सरवननगर स्थित राम विहार कॉलोनी में बना है। इसका उद्घाटन कार्यक्रम आधारशिला संस्थान में रखा गया। बबीता चौहान ने फीता काटकर सेंटर की शुरुआत कर दी। उन्होंने कहा कि विवाह से पहले परामर्श लेना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि प्री मैरिटल काउंसलिंग के माध्यम से युवाओं को वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों, आपसी समझ, संवाद और समर्पण का महत्व समझाया जा सकता है। इससे भविष्य में होने वाले विवादों और टूटते रिश्तों को काफी हद तक रोका जा सकेगा। उन्होंने इस पहल को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी बताया। कार्यक्रम में आधारशिला संस्थान के अध्यक्ष गोस्वामी शशांक भारती ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह केंद्र युवाओं को विवाह से पहले मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से तैयार करने का कार्य करेगा। इस दौरान काउंसलर आकांक्षा, अमित, प्रखर, सतेंद्र और आकाश ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान ही बिजनौर थाने की ओर से मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तीकरण से संबंधित जानकारी दी गई। इस जागरूकता गोष्ठी में सब–इंस्पेक्टर आराधना वर्मा और सब–इंस्पेक्टर रामराज सिंह सहित महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को कानूनी अधिकारों और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से बताया। आधारशिला संस्थान द्वारा शुरू किया गया यह प्री मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर समाज में स्वस्थ, संतुलित और सशक्त वैवाहिक जीवन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल माना जा रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता और संस्थान से जुड़े लोग मौजूद रहे।

कर्मचारियों ने भरी हुंकार,20 जनवरी को घेरेंगे विधानसभा

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं की लगातार अनदेखी कर रही है। मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव कार्मिक एवं विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय लेने के लिए वार्ता तक नहीं कर रहे हैं।संयुक्त परिषद ने अगस्त में प्रदेश के मुख्य सचिव को कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए 3 सितंबर तक वार्ता के माध्यम से समस्याओं का निराकरण करने की मांग किया था, परंतु शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों की मांगों पर लगातार मौन साधे हुए हैं। कर्मचारी संगठन एवं शासन के बीच संवाद हीनता आंदोलन का कारण है। सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारी निगम का गठन कर दिया, लेकिन आउटसोर्स कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय का लाभ अभी तक नहीं मिल रहा है। विभागों में लाखों पद रिक्त पड़े हुए हैं, परंतु उन पर नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। सरकार ठेकेदारी प्रथा एवं संविदा कर्मचारियों के भरोसे पूरा सिस्टम चलाने का प्रयास कर रही है। संविदा कर्मियों एवं ठेकेदारी प्रथा के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों का शोषण चरम पर है। संविदा कर्मियों को मनमाने तरीके से बाहर किया जा रहा है।नगरीय परिवहन सेवाओं में कार्यरत हजारों कर्मचारियों से सरकार रोजगार छीन चुकी है ,जबकि सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली सरकार ने इस संदर्भ में परिषद द्वारा भेजे गए दर्जनों पत्रों का संज्ञान तक नहीं लिया है। समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग में विगत दो वर्षों में दो दर्जन से अधिक संविदा शिक्षक नौकरी से हटाए जा चुके हैं। यही स्थिति अन्य विभागों की भी है। कर्मचारियों की वेतन विसंगति पर मुख्य सचिव समिति निर्णय नहीं कर रही है। संविदा कर्मियों के मानदेय में विगत कई वर्षों से कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। पंचायती राज विभाग में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की सेवा नियमावली बनाई जाने, 2001 के बाद संविदा, वर्क चार्ज एवं दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारी–शिक्षकों का विनियमितीकरण किए जाने, सरकारी प्रतिष्ठानों का निजीकरण रोके जाने, सहित संयुक्त परिषद की 5 सूत्रीय मांगों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षण करने के लिए संयुक्त परिषद 3 सितंबर से विभिन्न चरणों में आंदोलन कर रही है।संयुक्त परिषद शासन एवं कर्मचारियों के बीच सद्भाव का वातावरण बनाकर कार्य करना चाहती है, परंतु प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद हीनता के कारण 20 जनवरी को विधान सभा पर प्रदर्शन का कार्यक्रम अपरिहार्य हो गया है। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।

जयंत चौधरी युवाओं, किसानों एवं छात्रों की सशक्त आवाज : रालोद

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल छात्रसभा द्वारा हनुमान सेतु मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने जयंत चौधरी की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना करते हुए विधिवत पूजा–अर्चना की।पूजा–अर्चना के उपरांत हनुमान सेतु परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आमजन ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे का आयोजन पूरी श्रद्धा, अनुशासन एवं सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न हुआ, जिसकी स्थानीय लोगों द्वारा भूरी–भूरी सराहना की गई।इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का जीवन संघर्ष, सिद्धांत और जनसेवा को समर्पित है। वे सदैव युवाओं, किसानों एवं छात्रों के हितों के लिए समर्पित भाव से कार्य करते रहे हैं और उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।जयंत चौधरी युवाओं, किसानों एवं छात्रों की सशक्त आवाज हैं। उनके विचारों और नेतृत्व से प्रेरित होकर रालोद छात्रसभा निरंतर सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

पुलिस मंथन 2025 की शुरुआत, सीएम योगी को दिया गया 'गार्ड ऑफ ऑनर

दो दिवसीय सम्मेलन में कई मुद्दों पर होगी चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय 'पुलिस मंथन 2025 की शुरुआत की और इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट कर कहा, "पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में 'पुलिस मंथन 2025 की शुरुआत–सुरक्षा, रणनीति और सुशासन का संकल्प। पुलिस ने एक अन्य पोस्ट में कहा, "पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित 'पुलिस मंथन 2025 के अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुभ आगमन पर उन्हें परंपरागत गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इसने कहा, "कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीएसी रामकृष्ण स्वर्णकार ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढे में भाजपा को ही गिरा दिया है, अखिलेश यादव ने कसा बीजेपी पर तंज

लखनऊ, (संवाददाता)। ब्राह्मण विधायकों की बैठक और एसआईआर के मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर हमला बोला है। सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा, उप्र भाजपा में मचे आपसी घमासान का कारण ऊपरी तौर पर भले कोई 'विद्रोही बैठक' हो पर असल कारण ये है कि भाजपाई विधायकों के बीच ये समाचार पहले ही प्रसारित हो चुका है कि एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कट गये हैं। इससे आगे उन्होंने लिखा, बकौल 'एक वर्ष–शेष' उप्र के मुख्यमंत्री जी इसमें से 85–90: उनके अपने वोटर कटे हैं। इसका राजनीतिक गणितीय विश्लेषण है, 28900000 का अगर केवल 85: भी मान लिया जाए तो ये आँकड़ा होगा लगभग 24565000। अब इस आँकड़े को उप्र की कुल 403 सीट से भाग दे दिया जाए तो ये आँकड़ा लगभग 61,000 वोट प्रति सीट आएगा। ऐसे में ये निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय जनता पार्टी उप्र की हर एक सीट पर आनुपातिक रूप से 61000 वोट कम पाएगी। ऐसे में वो सरकार क्या बनाएगी, दहाई का अंक भी पार नहीं कर पायेगी। इसीलिए आपसी लड़ाई अब एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप व टोका–टोकी व खुलेआम नोटिस के रूप में सामने आ रही है। सपा प्रमुख ने कहा, भाजपाई विधायक अलग–अलग बैठकें करके ये दिखा रहे हैं कि भाजपा सरकार, भाजपा संगठन व भाजपा के संगी साथी कोई भी उनकी नहीं सुन रहे हैं इसीलिए उनके कोई काम नहीं हो रहे हैं। ऐसे में जब चुनाव के पूर्व उनके कामों के आधार पर उनके मूल्यांकन का सर्वे करवाया जाएगा तो वो फेल हो जाएंगे। यही वो बुनियादी कारण है कि वो सब इकट्ठे होकर अपनी सफाई देने में जुट गये हैं।

भाजपा में चंद गिने–चुने लोगों के महाभ्रष्टाचार में से इन 'असंतुष्टी से विद्रोह के स्तर तक' पहुँचे लोगों के हिस्से बदनामी की छींटों के सिवा कुछ हाथ नहीं लगा है। भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढे में भाजपा को ही गिरा दिया है। अब पीडीए सरकार बनाएगा, भाजपा का पीड़ा–राज मिटाएगा, सबके हिस्से तरक्की–खुशहाली लाएगा।

भूमि से उद्योग तक यूपी टॉप, योगी के विजन पर निवेशकों का भरोसा मजबूत

– औद्योगिक भूमि के उपयोग में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्यों में

–33,327 हेक्टेयर भूमि पर संचालित है 286 औद्योगिक पार्क

– यूपी बना भरोसेमंद परिणाम देने वाला औद्योगिक गंतव्य

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने देश के औद्योगिक मानचित्र पर मजबूती के साथ अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इसकी झलक औद्योगिक भूमि के उपयोग के आंकड़ों में दिखाई देती है। कई प्रमुख राज्यों में औद्योगिक पार्कों की बड़े क्षेत्रफल में भूमि आज भी निष्क्रिय पड़ी है, वहीं उत्तर प्रदेश में उपलब्ध कराई गई औद्योगिक भूमि का अधिकांश हिस्सा उद्योगों के लिए उपयोग हो चुका है। 286 औद्योगिक पार्क विकसित किए जा चुके हैं। इन क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों की सक्रियता स्पष्ट करती है कि निवेश प्रस्ताव केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहे। देश और विदेश के निवेशक उत्तर प्रदेश को एक भरोसेमंद और परिणाम देने वाले औद्योगिक गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। उद्योग जगत के विशेषज्ञ एसके आहूजा का कहना है कि उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश के बड़े औद्योगिक पावरहाउस के रूप में उभर रहा है।उत्तर प्रदेश में 286 विकसित औद्योगिक पार्कों का कुल क्षेत्रफल 33,327 हेक्टेयर है। इनमें लगभग पूरी औद्योगिक भूमि पर उद्योग या तो स्थापित हो चुके हैं या स्थापना की प्रक्रिया में हैं। जहाँ उत्पादन गतिविधियों को बल मिल रहा है और वहीं बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का भी सृजन हो रहा है। यदि देश के अन्य राज्यों की स्थिति पर दृष्टिपात किया जाए तो अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। जैसे कि तेलंगाना में 157 औद्योगिक पार्कों में 30,749 हेक्टेयर भूमि आज भी निवेश के लिए उपलब्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीति को स्पष्ट दिशा प्रदान करने का काम किया है। सरकार का फोकस केवल भूमि आवंटन पर ही नहीं वरन उद्योगों को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण देने पर भी रहा है। कानून–व्यवस्था में सुधार, प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण और बुनियादी ढांचे का तेज विस्तार इस नीति के मुख्य स्तंभ बने। एक्सप्रेस–वे, एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी ने उद्योगों के संचालन को आसान बनाया जिससे निवेशकों का भरोसा और मजबूत हुआ है।एक जनपद, एक उत्पाद ओडीओपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क, टेक्सटाइल हब जैसी योजनाओं ने औद्योगिक विकास को केवल कुछ शहरों तक सीमित नहीं रहने दिया। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी उद्योग स्थापित हुए हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं और क्षेत्रीय असमानता में कमी आई है। राष्ट्रीय औद्योगिक परिदृश्य में उत्तर प्रदेश आज ठोस परिणामों के साथ अग्रणी प्रदेश के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार अब उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दे रही है। इसके अंतर्गत निवेशकों को पहले दिन से ही तैयार अवसंरचना मिलेगी। यही मॉडल उत्तर प्रदेश को औद्योगिक मामले में अन्य राज्यों से आगे लेकर जाएगी।

नए साल की शुरूआत पर होम क्रेडिट इंडिया ने पेश की पहली एआई जनरेटेड फिल्म

लखनऊ, (संवाददाता)। अग्रणी कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया ने आज अपने पहले एआई आधारित कैंपेन रुसपनों का नया साल को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कैंपेन उनके ब्रांड विचार रुजिंदगी हिट! का ही एक विस्तार है। यह होम क्रेडिट इंडिया के लिए नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे ए आर एम वर्ल्ड वाइड के साथ मिलकर एक सिनेमैटिक फिल्म के रूप में विकसित किया गया है, जो बीते हुए साल की यादों को समेटते हुए आशाओं से भरे भविष्य का स्वागत करती है। यह फिल्म ब्रांड को एक टेक–फॉरवर्ड और भरोसेमंद साथी के रूप में पेश करती है, जो देश भर के ग्राहकों की विविध आकांक्षाओं को कभी भी और कहीं भी पूरा करने के लिए तैयार है। यह नया कैंपेन होम क्रेडिट इंडिया के सोशल मीडिया चौनलों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंक्डइन सहित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव हो गया है। रुसपनों का नया साल कैंपेन बीते साल की हर छोटी–बड़ी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए कृतज्ञता की भावना को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, यह ग्राहकों को आसान और सुलभ क्रेडिट समाधानों के माध्यम से उनके नए साल के संकल्पों को वास्तविकता में बदलने के लिए सशक्त बनाता है। कैंपेन की कथावस्तु वीडियो की शुरुआत नए साल के आगमन के आखिरी कुछ मिनटों से होती है, जिसमें सपनों और जिम्मेदारियों के बीच के आम मानवीय पलों को दर्शाया गया है। इसमें रवि है, जो एक युवा डिलीवरी एक्जीक्यूटिव है और अपने खराब होते स्कूटर से परेशान हैय गौरव एक महत्वाकांक्षी उद्यमी है जो फंड की कमी के कारण पीछे रुका हुआ हैय आरव टूटे हुए फोन के साथ रोजमर्रा की दिक्कतों का सामना कर रहा हैय और प्रीति, जो एक कैफे मालकिन है और अपने पुराने कैफे के नवीनीकरण का सपना देख रही है। जैसे ही घड़ी में बारह बजते हैं, होम क्रेडिट से मिलने वाली लोन अप्रूवल की पिंग (नोटिफिकेशन) एक दूसरे से जुड़ी इन कहानियों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होती है। यह उनकी तात्कालिक जरूरतों और दीर्घकालिक आकांक्षाओं, दोनों को पूरा करती है। एक तेज रफ्तार मोंटाज के जरिए रुके हुए पल नई शुरुआत में बदल जाते हैंकृ रवि को नया स्कूटर मिलता है, गौरव अपना व्यवसाय शुरू करता है, आरव अपना फोन अपग्रेड करता है और प्रीति अपने कैफे का कायाकल्प करती है।

कहानी उम्मीद के एक साझा पल के साथ समाप्त होती है, जो यह साबित करती है कि सही सहयोग के साथ हर संकल्प को पूरा करना संभव है। नये साल के कैंपेन पर बात करते हुए, होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, आशीष तिवारी ने कहा, ष्एक और साल के बीतने के साथ, हम नवाचार, कृतज्ञता और ढेर सारी उम्मीदों के साथ नए साल में कदम रख रहे हैं।

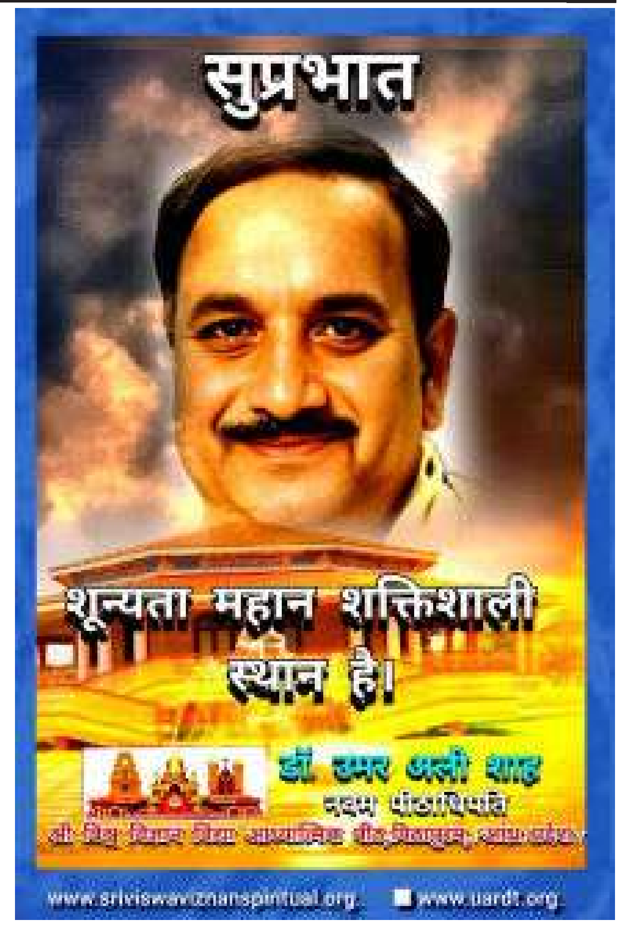

आओ सीखें फूल से

उम्मीदों के साथ में, सुखन सुहानी भोर।
कलियों को मुस्कान दे, करे न कोई शोर।
करे न कोई शोर, सुगन्धित उपवन सारे।
बदल गया माहौल, सभी कुछ लगते न्यारे।
सुन लो कहें प्रदीप, द्वार खुल आशीषों के।
तम में भरें प्रकाश, हमेशा उम्मीदों के।

सबकुछ पावन है यहाँ,करके यह विश्वास।
आओ सीखें फूल से, कैसे भरें सुवास।
कैसे भरें सुवास, प्रश्न है सीधा–साधा।
समझ कली विज्ञान, उसी में उत्र सारा।
सुन लो कहें प्रदीप, न होते हैं जो व्याकुल।
खुशबू जग में बाँट, वही पाते हैं सबकुछ।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जिलाधिकारी और जनपद काउंसिल अध्यक्ष उमेश मिश्रा सम्मानित

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड जिला संस्था की ओर से आज जिलाधिकारी और जनपद काउंसिल के

अध्यक्ष श्री उमेश मिश्रा को हाल ही में लखनऊ में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय जम्बूरी का लोगों स्मृति चिन्ह शार्दू भेंट किया गया ।

जिला मुख्य आयुक्त डॉ.कंचन प्रभा शुक्ला और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री विजय शुक्ला ने जिलाधिकारी को शॉल ओढ़ाकर कर है स्मृति चिन्ह भेंट किया ।जिला आयुक्त स्काउट श्री विजय कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी का स्कार्फ पहना कर अभिनंदन किया ।

काउंसिल अध्यक्ष और जिलाधिकारी महोदय को हेडक्वार्टर कमिश्नर श्रीमती रेनू गर्ग और श्री भारत भूषण अरोड़ा डीओसी ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय जम्बूरी में जनपद के 204 स्काउट गाइड्स ने भाग लिया और उत्तर प्रदेश का करीब तीस फुट ऊँचा प्रवेश द्वार बनाने का दायित्व सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त श्री अमित सैनी के निर्देशन में सहारनपुर मंडल दल ने निर्वहन किया । जिसमें मुजफ्फरनगर जनपद की अहम भूमिका रही । यूपी गेट ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्लस वन ग्रेड प्राप्त किया।

जय कुमार ठाकुर बने लोकजनशक्ति (रामविलास) युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश व बुंदेलखंड के प्रभारी

दिल्ली, लगातार कई वर्षों से लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास

के युवा प्रकोष्ठ के प0 उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष रहे मुरादाबाद निवासी जय कुमार ठाकुर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देशानुसार युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रणव कुमार ने पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा व लग्न को देखते हुए उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ साथ उंन्हे मध्यप्रदेश व बुंदेलखंड के प्रभारी भी नियुक्त किया । जय कुमार ठाकुर के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर प0 उत्तरप्रदेश के साथ साथ उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है।

सम्पादकीय.......

सरसों का संकट

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून–पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतः किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य शृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फसलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फसल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फसलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

किसी पाने वाले को देने वाला बनाते हैं तो खुशी दोगुनी हो जाती है

एन. रघुरामन

> *जब आप पहली बार अपने बच्चे को कोई ट्रीट देते हैं और इसे ग्रैंड पैरेंट्स, पड़ोसी या फिर किसी बेघर जानवर के साथ शेयर करने को कहते हैं तो कुछ बदल–सा जाता है। बच्चे की खुशी महज उस चीज को लेकर नहीं होती, बल्कि अचानक से आई क्षमता की समझ को लेकर होती है।*

जीवन की खुशी अकसर तब दोगुनी हो जाती है, जब कोई पाने वाला देने वाला बन जाता है। इसका सबसे पहला अनुभव हम पैरेंटहुड में देखते हैं। जब आप पहली बार अपने बच्चे को कोई ट्रीट देते हैं और इसे ग्रैंड पैरेंट्स, पड़ोसी या फिर किसी बेघर जानवर के साथ शेयर करने को कहते हैं तो कुछ बदल–सा जाता है। बच्चे की खुशी महज उस चीज को लेकर नहीं होती, बल्कि अचानक से आई क्षमता की समझ को लेकर होती है। उनके नन्हे दिमाग में सशक्त होने का ख्याल दौड़ता है कि 'मैं बड़ा हो गया हूं। अब मैं सिर्फ लेने वाला नहीं बचा। दे भी सकता हूं।' यह छोटा–सा कदम ऐसी सकारात्मक भावनाएं जगाता है, जो लोगों के बीच दूरी को पाट देता है और आनंद के एकाकी अनुभव को सामूहिक जुड़ाव में बदल देता है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बुधवार को एक स्कूल के एनुअल फंक्शन में मैंने ऐसे गहरे आनंद का अनुभव किया। 'फेस्टिवल्स ऑफ इंडिया' नाम के थीम सॉन्ग पर जैसे–जैसे संगीत आगे बढ़ा, दर्शकों ने देखा कि कैसे भारत में मकर संक्रांति से उत्सव शुरू होते हैं और लगभग हर महीने एक–दो त्योहार आते हैं। ही

संगीत अपने क्लाइमैक्स की ओर बढ़ा, स्टेज पर सांता क्लॉज आए। लेकिन ऐसे सांता मैंने पहले कभी नहीं देखे थे। वे व्हीलचेयर पर आए। शुरुआत में, मेरी तरह पीछे बैठे सैकड़ों लोगों ने भी सोचा कि यह कोई क्रिएटिव थिएट्रिकल प्रयोग होगा। कद में छोटे–से सांता की दाढ़ी चिर–परिचित थी, लेकिन जज्बा बहुत बड़ा था। पहली कतार में बैठे हुए मैंने देखा कि उनका कमर से ऊपर का शरीर डांस कर रहा था। पैर स्थिर थे, लेकिन हाथ बेहद शालीनता से हिल रहे थे। अपना बैग खाली होने तक वे मिठाइयां और गिफ्ट बांटते रहे। उस देने वाले के चेहरे पर पूर्ण आजादी का भाव था। कुछ दे सकने के भाव में जैसे वो अपने पैरालिसिस को भूल ही गया हो। यह 'सांता' इंदौर के एनी बीसेंट स्कूल में चौथी कक्षा की 9 वर्षीय छात्रा तनिष्का सोनी थीं। पहली कक्षा में स्पाइनल नर्व इंजरी के चलते पैरालाइज्ड हुईं तनिष्का को कक्षा के भीतर और बाहर कोई भी काम करने के लिए सहपाठियों और माता–पिता की मदद लेनी पड़ती है। शारीरिक जरूरत के चलते वे सालों से एक 'रिसीवर' बनी रहीं। अब स्कूल के कोरियोग्राफर्स ने बीते तीन वर्षों से हर एनुअल फंक्शन में उनके लिए एक किरदार शामिल कर लिया, ताकि वे जीवन की खूबसूरत रिदम में सक्रिय बनी रहें। खुद तनिष्का भी स्कूल की हर एक्टिविटी में शामिल होने की मांग करती रही थीं। जैसे ही तनिष्का ने वो गिफ्ट बांटे, एक बदलाव पूर्ण हो गया। आमतौर पर जिस बच्ची की व्हीलचेयर को दूसरे लोग खिसकाते हैं, वो आज सारे ऑडियंस को अपनी खुशी के संसार में खींच रही थी। दाढ़ी की वजह से आंखों और गालों तक ही दिख पा रहा उसका चेहरा चमक रहा था। यह ऐसी सच्चाई बता रहा था, जिसे हम अकसर नजरअंदाज करते हैं कि असली समृद्धि शारीरिक क्षमता और भौतिक संपत्ति में नहीं, बल्कि यह तो वो अवस्था है– जिसमें भावनात्मक स्थिरता और योगदान देने की इच्छाशक्ति है। देने वाले की भूमिका में आकर तनिष्का ने साबित किया कि जब शरीर बंधा हो तो भावना से दूसरों को कुछ दिया जा सकता है। तनिष्का ने याद दिलाया कि हम जो संसाधन दे सकते हैं, वो हमारे बैग में नहीं होते। बल्कि ये वो क्षमता और रोशनी है, जो हम अपने दिल से बांट सकते हैं। तनिष्का सोनी की कहानी इंसानी जज्बे की एक मजबूत गवाही है। दूसरों की मदद के लिए हम अकसर 'परफेक्ट कंडीशंस' का इंतजार करते रहते हैं– थोड़ा और पैसा हो जाए, सेहत और बेहतर हो जाए या थोड़ा वक्त और मिल जाए। लेकिन तनिष्का हमें सिखाती है कि आप जहां हो, वहीं से ही और अपनी शेष ताकत से ही दे सकते हैं।

पोखरण परमाणु परीक्षण रणनीतिक दृढ़ संकल्प का प्रतीक

डॉ.नरेश बंसल

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी महज एक स्मृतिोत्सव नहीं है। यह राष्ट्रीय आत्मनिरीक्षण का क्षण है। जब देश अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है, भारत एक ऐसे नेतृत्व की परंपरा पर चिंतन करने के लिए रुकता है जिसने नैतिक साहस को लोकतांत्रिक संयम, दृढ़ता को सहानुभूति और दूरदर्शिता को विनम्रता के साथ जोड़ा। अटल जी उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे जिनके लिए राजनीति जनसेवा का एक पवित्र साधन थी। उनका नेतृत्व दिखावटी नहीं थाय बल्कि प्रेरक था। उनका मानना था कि अधिकार विश्वसनीयता से आना चाहिए और शक्ति जवाबदेही पर आधारित होनी चाहिए। एक प्रतिबद्ध विचारक होते हुए भी, उन्होंने कभी भी विचारधारा को संवाद पर हावी नहीं होने दिया। उनके लिए संसदीय लोकतंत्र एक प्रक्रियात्मक दायित्व नहीं बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी थी। प्रधानमंत्री के रूप में, अटल जी ने यह सिद्ध किया कि सशक्त नेतृत्व और मानवीय शासन एक साथ चल सकते हैं। उनके कार्यकाल में भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों में दृढ़ रहते हुए वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनके नेतृत्व ने विश्व को दिखाया कि भारत बिना जल्दबाजी किए दृढ़ संकल्पित हो सकता है, और बिना आक्रामक हुए मुखर हो सकता है। उनके विचार में, शक्ति का अर्थ तभी सार्थक होता है जब वह शांति और स्थिरता के लिए सहायक हो। पोखरण परमाणु परीक्षण रणनीतिक दृढ़ संकल्प का प्रतीक थे, जबकि शांति के

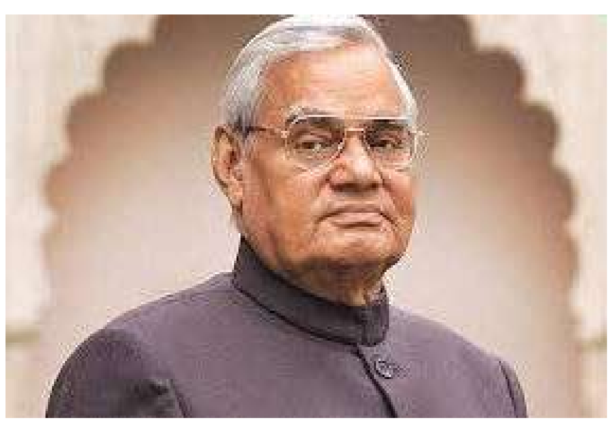

लिए उनके प्रयासों ने उनकी कुशल राजनेता की भूमिका को दर्शाया। उनका मानना था कि भारत को सशक्त होने के साथ–साथ उत्तरदायी भी होना चाहिए। विकास के प्रति उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। अटल जी समझते थे कि राष्ट्रीय प्रगति तभी सार्थक होती है जब वह समावेशी हो। अवसंरचना, ग्रामीण संपर्क और दूरसंचार के क्षेत्र में शुरू की गई महत्वपूर्ण पहलों का उद्देश्य केवल संपत्ति निर्माण करना नहीं था, बल्कि लोगों, बाजारों और अवसरों को आपस में जोड़ना था। सड़कों, संपर्क और प्रौद्योगिकी पर उनके जोर ने दूरस्थ क्षेत्रों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकृत करने में मदद की और भारत के विकास की नींव रखी। नीति और शासन के अलावा, अटल जी का सबसे बड़ा योगदान भारत को एक सभ्यतागत लोकतंत्र के रूप में समझना था। उनका मानना था कि भारत की शक्ति उसकी विविधता, वाद–विवाद करने की क्षमता और एकता खोए बिना मतभेदों को आत्मसात करने की क्षमता में निहित है। उनका राष्ट्रवाद आत्मविश्वास से भरा था, लेकिन कभी भी बहिष्कारवादी नहीं थाय दृढ़ होते हुए भी सहानुभूतिपूर्ण था। उत्तराखंड में हमारे लिए अटल जी की विरासत बेहद व्यक्तिगत और परिवर्तनकारी है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तराखंड (तब उत्तरांचल) का शांतिपूर्ण गठन लोगों की लंबे समय से पोषित आकांक्षा की पूर्ति थी। यह महज प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं थाय यह राजनीतिक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय दूरदर्शिता का कार्य था। अटल जी समझते थे कि भूगोल शासन को आकार देता है, और जनमानस की आकांक्षाओं के लिए एक विशिष्ट प्रशासनिक दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। लेकिन उनकी प्रतिबद्धता राज्य बनने के साथ ही समाप्त नहीं हुई। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नवगठित राज्य को विशेष दर्जा और आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक समर्पित औद्योगिक पैकेज मिले। उत्तराखंड के आध्यात्मिक और पारिस्थितिक महत्व को पहचानते हुए, उनकी सरकार ने उत्तरकाशी जैसे क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की। ये निर्णय विकास के प्रति उनकी समग्र समझ को दर्शाते हैं – एक ऐसी समझ जो पारिस्थितिकी, संस्कृति और आजीविका का सम्मान करती है। उत्तराखंड के साथ अटल जी का रिश्ता नीतिगत संबंधों से कहीं बढ़कर था। उन्हें यहाँ के पहाड़ों, नदियों और आध्यात्मिक ऊर्जा से गहरा लगाव था। 1984 में चुनाव में हार के बाद उन्होंने हरिद्वार और गंगोत्री की पहाड़ियों में शरण ली और वहाँ की शांति से शक्ति प्राप्त की। बहुत कम नेता किसी क्षेत्र की आत्मा से इतनी गहराई से जुड़ पाते हैं। इसलिए यह उचित ही है कि उत्तराखंड के लोग उन्हें न केवल प्रधानमंत्री के रूप में, बल्कि अपने ही एक सदस्य के रूप में याद रखें। आज जब हम कहते हैं, अटल जी ने बनाया, मोदी जी संवरेंगे,ष तो यह तुलना का नारा नहीं, बल्कि निरंतरता का नारा है। अटल जी द्वारा रखी गई कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय एकता की नींव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत और विस्तारित किया जा रहा है। दूरदृष्टि की यह निरंतरता समावेशी और महत्वाकांक्षी विकास के प्रति भारतीय जनता पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। जन्म शताब्दी वर्ष, विशेष रूप से युवा भारतीयों के लिए, राजनीति को एक महान कर्तव्य के रूप में पुनः स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अटल जी का जीवन यह सिखाता है कि नेतृत्व संख्या के बारे में नहीं, बल्कि दूरदर्शिता के बारे में हैय टकराव के बारे में नहीं, बल्कि आम सहमति के बारे में हैय स्थायित्व के बारे में नहीं, बल्कि उद्देश्य के बारे में है। सार्वजनिक जीवन में रहने वालों के लिए, उनकी यात्रा इस बात की याद दिलाती है कि सत्ता को हमेशा जवाबदेही के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। नागरिकों के लिए, यह लोकतंत्र में एक साझा जिम्मेदारी के रूप में विश्वास की पुष्टि करता है। राष्ट्र के लिए, यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि प्रगति और मूल्य प्रतिस्पर्धी विचार नहीं हैं, बल्कि पूरक हैं। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक बार लिखा था कि अंधेरे से डरना नहीं चाहिए क्योंकि यह केवल अपने भीतर ही जीवित रहता है। जैसे–जैसे भारत आत्मविश्वास और आकांक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है, उनके शब्द और कार्य आगे के मार्ग को रोशन करते रहते हैं।

100 वर्ष की आयु में अटल जी को याद करना केवल अतीत की यादों में खो जाना नहीं है। यह भारत के एक ऐसे विचार को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता है जो मजबूत होते हुए भी करुणामय हो, आधुनिक होते हुए भी जड़ों से जुड़ा हो, और महत्वाकांक्षी होते हुए भी नैतिक हो। वह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था, और यह आने वाले वर्षों में भी भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा। दीप जले, अंधेरा छटे, सत्य पथ पर देश बढ़े, अटल विचार, अटल संकल्प, युग–युग भारत का पथ गढ़े। अटल बिहारी वाजपेयी

लेखक– राज्यसभा सांसद हैं और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह–कोषाध्यक्ष हैं...

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

एन. रघुरामन

कल तक इस गांव की पहचान 225206 थी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सआदतगंज पोस्टल हेड ऑफिस के तहत यह पिन कोड अगेहरा गांव के लिए इस्तेमाल होता था। और 24 दिसंबर को गांव आए एक पोस्टमैन ने अपने साथियों से कहा कि 'आज मैं इसे डिलीवर करने पूजा के गांव जा रहा हूं।' सोच रहे हैं कि एक नंबर को यह नाम कैसे मिला? 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 1100 की आबादी वाले इस गांव को 17 साल की पूजा पाल ने गूगल पर पहचान दिला दी। यह गांव पहले खेती और संबंधित ग्रामीण गतिविधियों से जुड़ा था। तो पूजा ने ऐसा क्या किया? पूजा भी दूसरे बच्चों की तरह स्कूल जाती थी। कई सालों तक वह भी अपने स्कूल में गेहूं कटाई के मौसम में उड़ने वाली धूल की शिकार बनी। स्कूलों और घरों के आसपास चलने वाले थ्रेशरों के कारण समूचे इलाके में यह लोगों के लिए, खासकर श्वास रोगों से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुकी थी। उसके स्कूल के समीप के थ्रेशर से रोजाना धूल कक्षा तक पहुंचती थी। बच्चों का पढ़ना, लिखना और यहां तक कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता था। दूसरों की तरह कक्षा–दर–कक्षा पास होती गई पूजा सातवीं में पहुंच गई, जहां बच्चे विज्ञान जैसे विषयों से परिचित होते हैं। उन्हें बताया जाता है कि विज्ञान और तकनीक से आप कई समस्याएं हल कर सकते हो। उसकी समस्या यह थी कि वह स्कूल में पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पा रही थी। उसे यह भी बताया गया कि गेहूं कटाई और थ्रेशिंग रोके नहीं जा सकते, क्योंकि इसी से गांव की रोजी–रोटी चलती है। कुछ दिन बाद उसने मां को घर पर आटा छानते देखा तो उसे आइडिया आया कि अगर रसोई में किसी जाली से महीन कणों को छाना जा सकता है तो वैसी ही प्रक्रिया थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाली धूल को भी रोक सकती है।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग – 11)

लेखिका – अतिया नूर

समीर के सर पर कुछ दिनों से बाइक दिलाने की जिद फिर जोर पकड़ने लगी।

घर का माहौल हर दिन बिगड़ता जा रहा था। घर में ऐश ओ आराम की सारी चीजें थीं, बस नहीं था तो

सुकून ...। एक तरफ शेखर पर पिता का रोब – दाब हावी था तो दूसरी तरफ मेरा बिगड़ता हुआ किशोर बच्चा समीर और इन दोनों के बीच परिस्थितियों की चक्की में पिसती,सब कुछ ठीक करने की कोशिश करती हुई मैं... ।कभी मैं समीर तो कभी शेखर के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हो जाती और लड़ाई – झगड़ा बंद कर मामले का हल निकालने की मिन्नतें करती रहती ।समीर की जिद के आगे बेबस होकर मैंने शेखर से उसकी जिद पूरी करने की रिक्वेस्ट की ।शेखर मुझसे बुरी तरह नाराज थे, उन्होंने मुझे पूरी तरह से समीर को बिगाड़ने का जिम्मेदार करार दिया था। मैं उनकी नफरतों का शिकार होती चली जा रही थी लेकिन हालात के मद्दे नजर मैं यह सोचने पर विवश थी कि बहुत सारे किशोरवय के बच्चे इस तरह की मांग करते हैं शायद उनकी मांग पूरी कर देने से उस की जिद करने की आदत में सुधार आ जाए।

समीर उस समय नवीं कक्षा में था ।उसकी पढ़ाई – लिखाई तो पूरी तरह चौपट हो ही चुकी थी लेकिन फिर भी मेरी कोशिश करती रहती थी कि लाख परेशानियां आएं मगर मेरा बच्चा किसी न किसी तरह पढ़ लिख ले, उस पर अनपढ़ का ठप्पा न लगे। लखनऊ में दादी के घर रहकर किसी तरह वो नवीं कक्षा पास कर सका लेकिन परिस्थितियां इतनी प्रतिकूल हुईं कि दसवीं में उसका एडमिशन मुझे फिर से अपने पास करवाना पड़ा। स्कूल के पहले दिन ही कुछ बच्चों ने उसे कुछ कहा और समीर अपना आपा खोकर उद्दंडता कर बैठा जिसके फलस्वरूप उसे स्कूल से निकाल दिया गया। शेखर और मैं दोनों ही नहीं समझ पा रहे थे कि – क्या किया जाए? अंततः समीर के प्रिंसिपल से बात करके उन्हें समीर को फाइनल इम्तिहान में शामिल होने के लिए राजी कर लिया गया। मेरे मन में एक विश्वास था कि – मेरा समीर किसी भी तरह अनपढ़ नहीं रहेगा लेकिन मेरा यह विश्वास समीर के दसवीं बोर्ड के पहले ही इम्तिहान के दिन टूट गया जब इम्तिहान में शामिल होने से पहले उसने बाइक दिलाने की जिद रख दी, उसकी जिद थी कि – बाइक मिलेगी तभी वह इम्तिहान देगा अन्यथा नहीं और फिर बाप – बेटे की नोक झोंक में पेपर का समय खत्म हो गया और समीर को एजुकेटेड देखने का मेरा सपना भी चूर – चूर होता चला गया।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

तुलसी की महिमा बड़ी, घर- घर पूजे लोग।
औषधि यह बहुमूल्य है, मिटते जिससे रोग।।
मिटते जिससे रोग, लगाते घर में अपने।
होता लक्ष्मी वास, पूर्ण सब होते सपने।।
कहती रचना आज, भरी है मन हुलसी।
आँगन मे अब देख, हमारे घर मे तुलसी।।

सुख के संग समृद्धि है,जिस घर तुलसी वास।
रहे निरोगी तन सदा, खुशहाली हो पास।।
खुशहाली हो पास,सभी को तुलसी भाती।
देवी माँ का रूप, हमेशा पूजी जाती।।
कहती रचना आज, वहाँ पर कब दिखता दुख।
आँगन में तुलसी जहाँ, वहीं खुशहाली सुख।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

नितेश तिवारी की रामायण में मंदोदरी के किरदार पर बोलीं काजल अग्रवाल

इनके नाम जप से पाप नष्ट होने की मान्यता है

काजल अग्रवाल नितेश तिवारी की फिल्म श्रामायणश में नजर आनेवाली हैं। उन्होंने अपने करियर पर बातें करते हुए कहा– उस वक्त सोचा नहीं था कि लीड हीरोइन के तौर पर सिनेमा में नजर आऊंगी। उन्होंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि मैं हीरोइन बनूंगी। सपनों की राह में कभी छोटे कदम से शुरुआत होती है तो कभी बड़े फैसलों से मंजिल मिलती है। काजल अग्रवाल ने भी अपने करियर की शुरुआत छोटे–छोटे किरदारों से की, बिना यह सोचे–समझे कि एक दिन वह लीड हीरोइन के रूप में चमकेंगी। 20 वर्षों की मेहनत और समर्पण ने इंडस्ट्री में उनकी एक मजबूत पहचान बनाई है। आने वाले वक्त में वह नितेश तिवारी की फिल्म श्रामायणश में मंदोदरी का चुनौतीपूर्ण किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसे वह अपना ड्रीम रोल मानती हैं। साउथ और बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्रीज की अलग–अलग संस्कृति और प्रोफेशनलिज्म को समझते हुए काजल ने महिलाओं की बढ़ती भूमिका और फिल्मों में आए सामाजिक बदलावों पर भी अपनी सोच को लेकर बातें की। कभी सोचा नहीं था कि हीरोइन बनूंगी काजल अग्रवाल ने कहा, मैंने शुरुआत छोटे–छोटे किरदारों से की थी। उस वक्त सोचा नहीं था कि लीड हीरोइन के तौर पर सिनेमा में नजर आऊंगी। सच बताऊं तो मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं हीरोइन बनूंगी। मैं जब स्कूल में थी, तब मैंने पहली बार कैमरे को फेस किया था। मुझे उस वक्त भी नहीं पता था या मेरे मन में ऐसा कोई विचार नहीं था कि मैं आगे जाकर फिल्मों में काम करूंगी। मैं जहां तक पहुंची हूं, उसके लिए मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मैं छोटे–छोटे किरदार करती गई और उन्हीं से मेरे काम को पहचान मिलती गई। मुझमें काबिलियत देखने के बाद ही लीड हीरोइन के तौर पर मुझे आगे किया गया था। मुझे इंडस्ट्री में 20 साल हो गए हैं। ऊपरवाले के आशीर्वाद से मुझे कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। साउथ का प्रोफेशनलिज्म नेक्स्ट लेवल का साउथ सिनेमा की फिल्मों में मैंने बहुत काम किया है। तेलुगू–तमिल भाषा की फिल्मों से मेरी शुरुआत हुई थी इसलिए यह मेरे दिल के बहुत करीब है। यहां के सिनेमा में काम करने के दौरान मुझे घर जैसा एन्वायरमेंट महसूस होता है। मैं हमेशा से वहां के दर्शकों की आभारी रहूंगी कि उन्होंने मुझे छोटी उम्र में अपनाया और प्यार दिया। मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में तमिल–तेलुगू सिनेमा का बहुत बड़ा हाथ है। ऐसा नहीं है कि उस वक्त मेरे पास बॉलिवुड के ऑफर नहीं आ रहे थे। मेरे पास डेट्स की कमी थी क्योंकि मेरी बैक टु बैक शूटिंग डेट्स लगी हुई थीं। हिंदी मेरी मातृ भाषा है। इसी की छांव में मैं पली–बढ़ी हूं। ऐसे में मेरे लिए साउथ और हिंदी सिनेमा में फर्क करना बहुत मुश्किल है। दोनों ने ही करियर और जिंदगी में आगे बढ़ने में मेरी बहुत मदद की है। हां, मैं यह कह सकती हूं कि साउथ सिनेमा बहुत कल्चरल, डिसिप्लिन्ड और ब्यूटीफुल है। उनका प्रोफेशनलिज्म नेक्स्ट लेवल का है। वहीं, बॉलिवुड ग्लोबली अपनी बहुत बड़ी पहचान रखता है। वहां स्वीकार्यता और नए–नए तरह के किरदारों के लिए बहुत स्कोप रहता है। 2010 के बाद इंडस्ट्री तेजी से बदली मुझे लगता है कि 2010 के बाद सिनेमा इंडस्ट्री में बहुत तेजी से बदलाव आए हैं। फिर चाहे वो साउथ हो या बॉलिवुड। मुझे जैसा महसूस होता है कि इंडस्ट्री रफ्तार के साथ आगे बढ़ी है। इसमें स्वीकार्यता तेजी से बढ़ी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अब दर्शकों का नजरिया भी ऊपर उठा है। वह नई–नई तरह की कहानियां, किरदार और ऐक्टर देखना चाहते हैं। वैसे भी जो फिल्में होती है, वो हमारी आपकी जिंदगी का एक रिफ्लेक्शन ही होती हैं। इसी वजह से मैं कहती हूं कि अगर समाज बदलेगा तो फिल्में भी अपने आप बदलती जाएंगी। 'रामायण' का हिस्सा बनना ड्रीम रोल जैसा मैं नितेश तिवारी की रामायण का भी हिस्सा हूं। मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म में काम करने का मौका दिया गया। डायरेक्टर नितेश तिवारी का नजरिया और फिल्म का स्केल सच में बहुत अलग है। रामायण की कहानी हम सब भारतीयों के दिल के बहुत करीब है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए ड्रीम रोल की तरह है। मैं हमेशा से चाहती थी कि इस तरह की एपिक मूवी का हिस्सा बनूं। इसमें मेरा किरदार मंदोदरी का है। मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की। काफी रिसर्च की, जिसमें पता चला कि वह पंचकन्याओं में से एक मानी जाती हैं। इनके नामों का जप करने से ही पापों को नष्ट करने की मान्यता है। कहानी में यह किरदार बहुत खूबसूरत है, जिसे मैंने पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास किया है। निर्देशक पर बहुत सारी चीजें निर्भर होती हैं पीरियड फिल्मों में निर्देशक के ऊपर बहुत सारी चीजें डिपेंडेंट होती हैं। हम जैसे कलाकार भी निर्देशक के ऊपर पूरी तरह निर्भर होते हैं। खासतौर पर, इस तरह की पौराणिक, ऐतिहासिक और फिक्शन फिल्मों में। दरअसल, यह कोई नहीं जानता कि मंदोदरी उस वक्त कैसी नजर आती होंगी। इस वजह से फिक्शन के ऊपर निर्भर होना पड़ता है, जिसमें निर्देशक का नजरिया हमें उस किरदार के पास तक पहुंचाने में बहुत मदद करता है। हालांकि, निर्देशक के अलावा मैं खुद भी खूब सारा होमवर्क करके सेट पर आती हूं। होता क्या है कि इस तरह की फिल्मों में अगर आपका होमवर्क पूरा है तो आपको चीजों को समझने और उनको गहराई से समझने में बहुत आसानी हो जाती है। इसके लिए मैं किताबें पढ़ती हूं, फिल्म देखती हूं। हो सका तो उस विषय के जानकारों से बात करने की भी कोशिश करती हूं। हर फील्ड में महिलाएं लीड कर रही हैं मुझे लगता है कि महिलाओं को लेकर सिनेमा में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। अब वो जमाने गए, जब पुरुषों पर ही पूरी की पूरी कहानी निर्भर होती थी। महिला केंद्रित फिल्में अब बहुत आगे आ चुकी हैं। बहुत सी ऐसी हीरोइनें हैं, जो अपने दम पर फिल्मों को हिट करा रही हैं। मेरी कोशिश भी जारी है कि बॉलिवुड में ऐसी फिल्में करूं। साउथ में मैं ऐसी फिल्में कर चुकी हूं जिसमें हालिया उदाहरण सत्यभामा का है। इसमें मैंने एक पुलिस इंस्पेक्टर का रोल किया था। यह पूरी फिल्म इसी किरदार के इर्द–गिर्द बुनी गई है। हालांकि, अगर देखा जाए तो यह बदलाव सिर्फ सिनेमा में ही नहीं बल्कि हर जगह देखने को मिल रहा है। हर फील्ड में महिलाएं लीड कर रही हैं।

धुरंधर के सीक्वल को लेकर मेकर्स का बड़ा ऐलान, 2026 में पांच भाषाओं में रिलीज होगा पार्ट 2

5 दिसंबर को रिलीज हुई रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर लगातार अपना जलवा बिखेर रही है। बॉक्स ऑफिस पर इसे तगड़ी कमाई के साथ दर्शकों का भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके साथ ही दर्शक इसके दूसरे पार्ट को लेकर भी एक्साइटमेंट दिखाने लगे हैं। इसी बीच मेकर्स ने जानकारी दी कि इस फिल्म का सीक्वल अगले साल रिलीज होगा। दर्शकों की स्वाभाविक मांग को देखते हुए और भारत के साथ–साथ विदेशों में बसे साउथ इंडियन दर्शकों को ध्यान में रखते हुए, धुरंधर के मेकर्स ने फैसला किया है कि धुरंधर 2 को शुरुआत से ही सभी प्रमुख भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने खुलासा किया कि ध ुरंधर 2 को ईद 2026 में 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म एक साथ हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम, पांच भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर आदित्य धर कर रहे हैं। धुरंधर 2 में कहानी और एक्शन दोनों को पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्तर पर पेश किया जाएगा। फिल्म इस समय पोस्ट–प्रोडक्शन में है और इसे 2026 की सबसे ज्यादा चर्चित और बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में माना जा रहा है।

विकी कौशल ने 'इक्कीस' को बताया प्रेरणादायक, कहा असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए

बॉलीवुड में नए चेहरे हमेशा ही दर्शकों के लिए उत्साह का कारण होते हैं और इस कड़ी में अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अपनी शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिमर अपनी पहली फिल्म 'इक्कीस' से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म रिलीज से पहले ही सुर्खियों में बनी हुई है। वहीं अब एक्टर विक्की कौशल ने भी फिल्म को लेकर अपने विचार रखे हैं। फिल्म को लेकर विक्की कौशल ने कहा एक दमदार मैसेज में विक्की कौशल ने बताया कि असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए। इक्कीस के बारे में बात करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि जज्बा अगर फौलादी हो, तो 21 की छोटी–सी उम्र में भी दास्तानें लिखी जाती हैं। भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र वीर सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की जिंदगी से प्रेरित, पापे बड़े परदे पर लेकर आ रही है बेखौफ बहादुरी, जुनून और बलिदान की कहानी एक ऐसी कहानी जो हर पीढ़ी को मोटिवेट करती रही है और करती रहेगी।'इक्कीस' फिल्म भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की प्रेरक जिंदगी पर आधारित है। फिल्म उनकी बहादुरी, जुनून और बलिदान की कहानी बड़े पर्दे पर दिखाएगी। फिल्म का संदेश साफ है असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए। फिल्म में सिमर भाटिया ने अरुण खेत्रपाल की बहन के किरदार में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा धर्मेंद्र उनके पिता एम.एल. खेत्रपाल की भूमिका में हैं। फिल्म में जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'इक्कीस' पहले 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज से कुछ दिन पहले मेकर्स ने इसे 1 जनवरी 2026 के लिए पोस्टपोन कर दिया।

पैपराजी को लेकर जया बच्चन के बयान पर भड़के हिंदुस्तानी भाऊ, बोले–खुद 150 की साड़ी पहनती और कहती हैं कि..

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन और पैपराजी के बीच का रिश्ता लंबे समय से तनावपूर्ण रहा है। जया बच्चन कई बार सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति फोटो खींचने को लेकर पैपराजी पर नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। इसी मुद्दे पर दिया गया उनका एक पुराना बयान एक बार फिर चर्चा में आ गया है, जिस पर अब बिग बॉस 13 के चर्चित कंटेस्टेंट हिंदुस्तानी भाऊ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। हिंदुस्तानी भाऊ ने एक वीडियो बयान में जया बच्चन को निशाने पर लेते हुए कहा कि वो जया बच्चन जो खुद 150 रुपए की साड़ी पहनती है, पुराना बाजार से और वो इन लोगों को गरीब बोलती हैं और कहती हैं कि कैसे गंदे कपड़े पहनकर आते हैं। तुम लोग क्यों जाते हो ऐसे इंसान के पास, जहां आपको इज्जत नहीं मिलती। आप लोगों की वजह से ये लोग दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाकर अपने बॉस को बोलो कि तू जा, वहां पर हमारी इज्जत नहीं होती है। जब तू बेइज्जत हो जाएगा ना, तब तेरे को पता चलेगा। हिंदुस्तानी भाऊ का ये बयान सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है और लोग उनकी बात के साथ पूरी सहमति जता रहे हैं। बीते दिनों एक इंटरव्यू में जया बच्चन ने कहा था कि उनका पैपराजी के साथ कोई रिश्ता नहीं है और वे उन लोगों की आलोचना करती हैं जो सिर्फ मोबाइल लेकर उन्हें फोटो खींचने लगते हैं। उन्होंने कहा था– यह जो बाहर ड्रेन पाइप टाइट गंदे–गंदे पैंट पहनकर, हाथ में मोबाइल लेकर, वे सोचते हैं कि आपकी फोटोज खींच सकते हैं और जो मन आता है कहते हैं। वे किस तरह के कमेंट्स पास करते हैं। यह कैसे लोग हैं? कहां से आते हैं? किस तरह का एजुकेशन है? क्या बैकग्राउंड है?

बॉर्डर 2 के लिए अहान शेट्टी ने घटाया अपना 5 केजी वजन, बोले- यह आसान नहीं था, इसके लिए...

एक्टर अहान शेट्टी इन दिनों अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में अपनी दमदार छाप छोड़ने के लिए अहान जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने अपना 5 किलो वजन घटाया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लिए अन्य तैयारियों का भी खुलासा किया। अहान शेट्टी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं बॉर्डर 2 में एक नेवी ऑफिसर का किरदार निभा रहा हूं। इस भूमिका के लिए मुझे ऐसी बॉडी चाहिए थी, जो ताकतवर होने के साथ–साथ फुर्तीली और जंग के लिए तैयार लगे। इस लुक को पाने के लिए मैंने लगभग 5 किलो वजन कम किया। लेकिन, यह वजन घटाना आसान नहीं था। इसके लिए एक सही डाइट स्ट्रेटजी अपनानी पड़ी। उन्होंने कहा, मैंने अपनी डाइट में ऐसा खाना चुना, जिससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिले और मसल्स को भी मजबूती मिले। इसके लिए प्रोटीन और हेल्दी फैट पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम की ताकि शरीर की चर्बी धीरे–धीरे कम हो सके। मेरा मकसद सिर्फ पतला दिखना नहीं था, बल्कि एक ऐसे सैनिक जैसा शरीर बनाना था, जो हर समय एक्टिव और तैयार नजर आए। अहान ने कहा, श्इस तैयारी में अनुशासन सबसे अहम था। मेरा खाना ट्रेनिंग और शूटिंग के समय के हिसाब से तय होता था। शूटिंग के दौरान मैंने कोई भी चीट डे मील नहीं लिया। एक सैनिक की जिंदगी में लापरवाही की कोई जगह नहीं होती और मैं यही सच्चाई पर्दे पर दिखाना चाहता हूं। मेरा मानना है कि जब कलाकार खुद उस अनुशासन को अपनाता है, तभी किरदार में सच्चाई नजर आती है। फिल्म की शूटिंग के अनुभव को लेकर एक्टर ने कहा, बॉर्डर 2 की शूटिंग। पुणे के नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) में हुई। यह जगह मेरे लिए एक तरह से सीखने का एक बड़ा मौका था।

सुपरस्टार गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अब एक्टर से ज्यादा लाइमलाइट में रहती हैं. सुनीता ने जब से यूट्यूब चौनल ओपन किया है तब से वो हर जगह छाई रहती हैं. वो फैंस को नई–नई चीजें दिखाती हैं और उनसे बात भी करती रहती हैं. फैंस को सुनीता का बेबाक अंदाज पसंद आता है. वो अपने व्लॉग्स शेयर करती रहती हैं. उन्होंने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि अब वो अपने फैंस के घर जाने वाली हैं. सुनीता आहूजा ने अपने वीडियो में कई मुद्दों पर बात की है. दीपिका पादुकोण के 8 घंटे की शिफ्ट से लेकर ओजम्पिक तक के बारे में सुनीता ने अपनी राय रखी. साथ ही फैंस को अपने नए कॉन्सेप्ट के बारे में बताया है जो वो जल्द ही शुरू करने वाली हैं. इससे फैंस को सुनीता से मिलने का भी मौका मिलेगा. फैंस के घर जाएंगी सुनीता सुनीता ने कहा– मेरे फैंस को जो मुझे पसंद करते हैं और जो नहीं भी करते हैं उनको भी कि मैं अभी आप लोगों को यह बता रही हूं कि मैं आप लोगों के घर आके आपके परिवार से मिलूंगी और जो भी आपके परिवार में फेवरेट डिश है मैं वो खाना चाहूंगी. तो कौन–कौन चाहता है कि मैं उनके घर आऊं बॉम्बे में, बॉम्बे से बाहर अगर जहां भी मैं हूं आप कहीं बाहर से भी हो तो मुझे बताइए. अगर मैं उस समय कभी आ रही होंगी तो मैं आपके पास आऊंगी. अभी फिलहाल तो मैं बॉम्बे के फैंस को बोलना चाहती हूं कि आप लोग मुझे बताइए मैं आपके घर आकर आपके फैमिली से मिलूंगी. थोड़ा मस्तीमजाक करूंगी और आप लोग का जो फेवरेट डिश है घर का वो साथ में बनाएंगे और साथ में बैठकर खाएंगे. फराह खान भी करती हैं ऐसा बता दें सुनीता से पहले कोरियोग्राफर– डायरेक्टर फराह खान भी अपने चौनल पर कुछ ऐसा ही करती हैं. वो अपने कुक दिलीप के साथ सेलेब्स और इंफ्लुएंसर्स के घर जाती हैं और वहां पर उनकी बेस्ट या फेवरेट डिश खाती हैं.

एक्ट्रेस निधि अग्रवाल बुधवार को हैदराबाद में अपनी आने वाली फिल्म द राजा साब के गाने सहाना सहाना के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। जब वह कार्यक्रम से बाहर निकलने लगीं, तो बेकाबू भीड़ ने उन्हें घेर लिया। यहां तक कि उनकी कार तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया। ऐसी स्थिति में वह काफी घबराई हुई नजर आईं। उनके बाउंसर ने मुश्किल से उन्हें भीड़ से बाहर निकाला। वहीं कार में बैठने के बाद भी निधि अग्रवाल परेशान नजर आईं। सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने भीड़ के व्यवहार की आलोचना की इस वीडियो पर कई फैंस और इंटरनेट यूजर्स ने चिंता जताई है। सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने भी भीड़ के व्यवहार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने ग पर लिखा, "लकड़बग्घों से भी बदतर बर्ताव करने वाले पुरुषों का झुंड। वैसे लकड़बग्घों का अपमान क्यों करें। ऐसे एक जैसे सोच वाले पुरुषों को जब भीड़ में इकट्ठा कर दिया जाता है। तो वे किसी महिला को इसी तरह परेशान करते हैं। कोई भगवान इन्हें उठाकर किसी और ग्रह पर क्यों नहीं भेज देता?" एक यूजर ने लिखा, "यह देखना परेशान करने वाला है।

सब्जियां खाने में नखरे करता है बच्चा, तो बनाएं चटपटा टमाटर पीनट सलाद

जब टेस्टी और पौष्टिक खाने की बात आती है लोग सलाद का नाम लेते हैं। आप सब ने पत्तेदार सलाद तो बहुत खाया होगा जो की काफी बेस्वाद सा लगता है। अगर आप हेल्थ को टेस्ट के साथ मिलना चाहते हैं तो टमाटर और पीनट का सलाद खाएं। ये सलाद मूंगफली और चेरी या बेबी जवउंजवमे से बना, काफी चटपटा टेस्ट करता है। वहीं ये बहुत हेल्दी भी होती है। ये सलाद सब्जियां खाने में नखरे करने वाले बच्चे भी आराम से खा लेंगे। आइए आपको बताते हैं टमाटर पीनट सलाद बनाने की आसान रेसिपी...

टमाटर पनीट सलाद बनाने की सामग्री

चेरी टमाटर (छोटे टमाटर)– 1 1/2 कप

मूंगफली (भुनी हुई)– 1 कप

किशमिश– 1 कप

ड्रेसिंग के लिए

कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच

चाट मसाला– 1 बड़ा चम्मच

भुना जीरा पाउडर 2 छोटा चम्मच

काला नमक स्वादानुसार

ऑलिव ऑयल या तिल का तेल 1 बड़ा चम्मच

नींबू का रस 1 बड़ा चम्मच

हरा धनिया (बारीक कट हुआ) 1 बड़ा चम्मच

बनाने की विधि

1. सबसे पहले टमाटर को काटकर 2 हिस्सों में करें।
2. इसमें मूंगफली और किशमिश मिलाएं।
3. अब ड्रेसिंग की सारी सामग्री एक साथ मिला लें।
4. कुछ देर के लिए ड्रेसिंग को रहने दें, फिर सारा कुछ टमाटर और पनीट सलाद में अच्छे से मिलाएं।
5. ऊपर से हरा धानिया डालकर सर्व करें।

दूध के साथ इन फूड्स का सेवन बना देगा आपको बीमार, सेहत के लिए जहर हो सकती हैं ये चीजें

दूध हमारे शरीर के लिए एक पौष्टिक आहार है। लेकिन दूध के साथ कुछ चीजों का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। क्योंकि इन नियमों को ध्यान में न रखने से यह आपको सेहतमंद बनाने की जगह बीमार कर सकती हैं। क्योंकि दूध के साथ इन चीजों का सेवन करने से यह दूध की ताकत को खत्म कर देते हैं। साथ ही इस कॉम्बिनेशन से यह विषाक्त पदार्थ बना सकते हैं। ऐसे में अगर आपको भी इस बारे में जानकारी नहीं है कि दूध के साथ किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि दूध के साथ किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए।

दूध के साथ न करें इन चीजों का सेवन

बता दें कि आयुर्वेद में खाने–पीने के कुछ नियम बताए गए हैं। ऐसे में अगर इन नियमों का ध्यान न रखा जाए तो फिर आप चाहे जितना अच्छा खाएं–पिएं। लेकिन आपके शरीर पर इसका कुछ खास असर नहीं होगा। ऐसे में भूलकर भी फूड्स कॉम्बिनेशन का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इस तरह से आपको हेल्दी फूड्स भी आपको बीमार बना सकते हैं। जैसे कि दूध हमारे लिए हेल्दी माना जाता है। लेकिन दूध के साथ कुछ चीजों का सेवन करने से आपको कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

दूध के साथ न खाएं मछली

भूलकर भी दूध के साथ मछली का सेवन नहीं करना चाहिए। डॉक्टर के मुताबिक मछली के साथ दूध का सेवन करने से व्यक्ति को त्वचा संबंधी प्रॉब्लम हो सकती है।

दूध के साथ खट्टे फल

इसके साथ खट्टे फलों जैसे संतरा, नींबू या मौसंबी आदि के साथ दूध का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि खट्टे फलों के साथ दूध का सेवन करवने से व्यक्ति को पाचन संबंधी कई समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

दूध के साथ खमीर ब्रेड

अगर आप दूध के साथ खमीर ब्रेड का सेवन कर सकते हैं, तो इससे आपको पेट में बेचैनी महसूस हो सकती है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन असंतुलन भी पैदा कर सकता है।

दूध के साथ केले का सेवन

हांलाकि अधिकतर लोग दूध के साथ केले का सेवन करना पसंद करते हैं। लेकिन बिना डॉक्टर की सलाह पर इसका अधिक सेवन करने से कफ की समस्या हो सकती है। साथ ही गले में भी बेचैनी हो सकती है।

तरबूज या खरबूज

तरबूज या खरबूज जैसे फलों को दूध के साथ खाने पर आपको पाचन संबंधी कई विकार परेशान कर सकते हैं।

न खाएं मूली व जड़ वाली सब्जियां

आपको बता दें कि दूध के साथ मूली य शलजम जैसी जड़ वाली सब्जियों को नहीं खाना चाहिए। क्योंकि दूध के साथ इन चीजों का सेवन करने से इन्हें पचाना काफी मुश्किल होता है। वहीं यह आपके पाचन सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है।

इन 5 तरीकों को स्किन केयर रूटीन में करें शामिल, मिलेगी मखमल जैसी त्वचा

हम सभी अरेबियन देशों के बारे में काफी कुछ सुनते चले आ रहे हैं। अपनी प्राकृतिक खूबसूरती की वजह से यह देश पूरी दुनिया में जाना जाता है। वहीं यहां पर रहने वाले लोग भी काफी ज्यादा खूबसूरत होते हैं। खासतौर पर अरेबियन महिलाओं की खूबसूरती देखते बनती हैं। अरेबियन महिलाओं की फ्लॉलेस त्व्चा देखकर हम भी उनकी तरह दिखना चाहते हैं। लेकिन उनको वह रंग और स्किन टेक्सचर बाय बर्थ मिलता है। हांलाकि आप अरेबियन स्किन केयर रूटीन से अपनी स्किन को फ्लॉलेस और खूबसूरत बना सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी अरेबियन महिलाओं की तरह खूबसूरत और फ्लॉलेस स्किन पाना चाहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ होम रेमेडीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसे अरेबियन महिलाएं भी स्किन केयर रूटीन में फॉलो करती हैं। ऐसे में आप भी इस स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर सकती हैं।

हमाम बाथ

बता दें कि हमाम बाथ स्टीम सोहना बाथ की तरह होता है। यह नहाने का टर्किश तरीका होता है। वहीं पहले के समय में कई सारी महिलाएं मिलकर स्टीम बाथ लेती थीं। लेकिन वर्तमान समय में ऐसा संभव नहीं है। स्टीम बाथ हमारी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। स्टीम बाथ लेने से बॉडी पर चढ़ी डेड स्किन की परत हट जाती है और पोर्स ओपन हो जाते हैं। साथ ही त्वचा में फंसी गंदगी भी साफ हो जाती है। इसके अलावा स्टीम बाथ लेने से स्किन में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे स्किन की रंगत निखरने के साथ ही ग्लो भी आता है। हांलाकि रोजाना हमाम बाथ लेना आसान नहीं होता है। लेकिन आप सप्ताह में एक बार इस तरह से बाथ ले सकती है, तो इसका असर आपकी स्किन पर देखने को मिलेगा। जाहिर है आपका वॉशरूम स्टीम बाथ के मुताबिक नहीं बना होगा। इसलिए आप सप्ताह में एक बार टॉवल बाथ ले सकती हैं।

कैमिल मिल्क

अरब देशों का अधिकतर हिस्सा रेगिस्तान होता है। इसलिए यहां पर ऊंट काफी संख्या में पाए जाते हैं। वहीं सेहत के लिए ऊंट का दूध काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। साथ ही यह स्किन के लिए भी लाभकारी होता है। क्योंकि ऊंट के दूध में विटामिन बी, विटामिन सी और विटामिन बी12 पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। वहीं ऊंट के दूख में एल्फा हाइड्रोक्सी और विटामिन डी भी पाया जाता है। ऐसे में ऊंट का दूध त्वचा पर लगाने से कई फायदे मिलते हैं। इससे स्किन सप्पल, रिंकल फ्री होने के साथ स्मूद हो जाती है। आप चाहें तो रोजाना ऊंट के दूध से स्किन की क्लोनिंग कर सकती हैं। ऐसा रोजाना करने से स्किन की फाइन लाइंस कम होने के साथ त्वचा में कसाव आता है। 35 प्लस वाली महिलाओं को झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए इससे अच्छा घरेलू नुस्खा और कोई नहीं हो सकता है।

दही का इस्तेमाल

दही भी अरेबियन महिलाओं की स्किन केयर रूटीन में अहम स्थान रखता है। हांलाकि भारतीय महिलाएं भी दही का इस्तेमाल स्किन केयर रूटीन में करती हैं। दही एक नेचुरल एक्सफोलिएट होता है। इसको लगाने से आपकी त्वचा हाइड्रेट रहती है। साथ ही स्किन को डीप नरिशमेंट भी मिलता है। बता दें कि दही में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज पाया जाता है, जो आपको स्किन पोर्स में कसाव लाने का काम करता है। इसके अलावा दही के इस्तेमाल से त्वचा में होने वाली टैनिंग और डार्क सर्कल को हल्का किया जा सकता है। दही आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाने का काम करता है। ऐसे में अगर आप भी रोजाना चेहरे पर दही का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी भी स्किन अरेबियन महिलाओं की तरह चमकदार हो सकती है।

एलोवेरा जेल

इंडियन ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी एलोवेरा जेल का प्रयोग खूब होता है। अरेबियन महिलाओं की स्किन केयर रूटीन का एलोवेरा जेल एक अहम हिस्सा होता है। यह आपकी त्वचा के लिए एक नेचुरल मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है। आप इसको गुलाबजल या फिर दूध के साथ मिक्स कर चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। इसमें विटामिन सी की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। एलोवेरा जेल को स्किन पर लगाने से न सिर्फ स्किन का रंग साफ होता है, बल्कि आपकी स्किन ग्लोइंग होती है। एलोवेरा जेल आपकी स्किन को शीशे की तरह निखारता है।

अरेबियन ऑयल्स

हांलाकि हम पहले भी आर्गन ऑयल के बारे में बात कर चुके हैं। यह न सिर्फ स्किन बल्कि बालों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। बता दें कि अफ्रीकन कंट्री मोरक्को में ऑर्गन तेल बनाया जाता है। लेकिन भारत में अन्य्य तेलों के साथ ब्लैंड कर एसेंशियल ऑयल का स्किन और बालों पर इस्तेमाल किया जाता है। या फिर ऑलिव ऑयल या नारियल तेल में एसेंशियल ऑयल की 2–3 बूंद मिक्स कर अपने फेस की मसाज करें। आर्गन ऑयल एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। ऐसे में यह स्किन को रिपेयर करता है। अगर आप रोजाना इस तेल से अपने चेहरे की मालिश करती हैं। तो आपकी स्किन भी मखमल की तरह कोमल हो जाएगी। साथ ही यह इलास्टिसिटी को भी बरकरार रखने का काम करता है।

सोलो ट्रैवलिंग के दौरान न करें ये छोटी-छोटी गलतियां, वरना मुसीबत में पड़ सकते हैं आप

कई लोगों को घूमने का काफी ज्यादा शौक होता है। ऐसे में कई बार दोस्तों का साथ न मिलने पर लोग अकेले ही ट्रिप प्लान कर लेते हैं। वहीं कई लोगों को सोलो ट्रैवलिंग करना काफी ज्यादा पसंद होता है। हांलाकि सोलो ट्रैवलिंग के अपने कुछ फायदे होते हैं। सोलो ट्रैवलिंग से आपका खुद पर विश्वास बढ़ता है। साथ ही आप दुनिया को एक्सप्लोर कर सकते हैं। लेकिन सोलो ट्रैवलिंग के दौरान आपको एक्स्ट्रा केयरफुल रहना होता है। क्योंकि इस दौरान आप अकेले होते हैं। बहुत से लोग सोलो ट्रेवलिंग के दौरान कुछ गलतियां करते हैं, जिसके कारण ट्रैवलिंग के दौरान उन्हें ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी सोलो ट्रैवलिंग के शौकीन हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सोलो ट्रैवलिंग के दौरान की जाने वाली कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनसे आपको बचना चाहिए।

सही से प्लानिंग न करना

सबसे पहली बात कि अगर आपने कभी सोलो ट्रैवलिंग नहीं की है, तो ऐसे में आपको ट्रिप पर निकलने से पहले उसकी तैयारी करना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि कई लोग बिना तैयारी के लोग ट्रिप पर निकल पड़ते हैं। ऐसे में आपको परेशानी हो सकती है। इसलिए आपको डेस्टिनेशन प्लान से लेकर सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स जरूर रख लें। इसके अलावा आप डेस्टिनेशन पर कैसे पहुंचेंगे, कहां रुकेंगे और आप वहां पर किस तरह से भुगतान आदि करेंगे। इन सभी चीजों की पहले से ही प्लानिंग कर लें।

अनदेखा ने करें मैप्स

कई लोग सोलो ट्रैवलिंग के दौरान मैप्स को अनदेखा कर देते हैं, जो आपके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। अगर आप अकेले ट्रैवल कर रहे हैं, तो जहां आप जा रहे हैं वह डेस्टिनेशन आपके लिए नई है। इस तरह से आप वहां के रास्तों से अनजान होंगे। ऐसे में मैप्स की मदद से वहां के रास्तों को अच्छे से समझ सकते हैं। वहीं मैप्स की मदद से आप डेस्टिनेशन को बेहतर तरीके से एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पब्लिकली वाई–फाई का बिना सिक्योरिटी इस्तेमाल

सोलो ट्रैवलर अक्सर यह गलती करते हैं, लेकिन इससे आपको बचना होगा। क्योंकि बिना सिक्योरिटी के पब्लिक वाईफाई का इस्तेमाल करने से आपका पर्सनल डाटा चोरी होने की संभावना रहती है। क्योंकि अगर आप क्रेडिट कार्ड से रूम बुक करते हैं या किसी वेबसाइट पर साइन इन करते हैं। तो इससे आपकी जरूरी इंफॉर्मेशन लीक होने की संभावना रहती है। इसलिए यह गलती करने से बचना चाहिए।

ट्रैवल प्लान की जानकारी न शेयर करना

कई बार लोग बिना किसी को बताए घूमने निकल जाते हैं। वह किसी को अपना ट्रैवल प्लान नहीं बताते हैं। ऐसे में कई बार कुछ वजहों के चलते ट्रैवल के दौरान आउट ऑफ टच हो जाते हैं। इस गलती को करने से बचना चाहिए। क्योंकि ट्रिप के दौरान आपके साथ कुछ गलत भी हो सकता है। ऐसे में अगर आपकी फैमिली को पता नहीं होगा, तो वह आपको कहां ढूंढेंगे। ऐसे में आप जब भी कहीं घूमने जाएं तो अपने परिवार और करीबियों को जरूर बताएं। इसके साथ ही उनके साथ अपना ट्रैवल प्लान शेयर करें।

लोकल स्कैम से रहें सतर्क

आज के समय में कहीं भी और किसी के साथ भी स्कैम हो सकता है। खासतौर से टूरिस्ट को ठगने के लिए लोकल चोर लोगों अलग–अलग तरीके अपनाते हैं। ऐसे में अगर आप इन चीजों से अंजान होते हैं, तो आप भी ठगी का शिकार हो सकते हैं। इसलिए बेहतर होता कि आप ऑनलाइन डेस्टिनेशन वाली जगह पर हो रहे स्कैम के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करें। इससे आप खुद को और अपने सामान को सुरक्षित रख सकेंगे।

पीरियड्स के अलावा भी रहता है पेट दर्द तो न लें हल्के में, ये हो सकते हैं कारण

महिलाओं को अक्सर पीरियड्स में पेट दर्द की शिकायत रहती है। लेकिन अगर आपको इसके अलावा भी बार– बार ये परेशानी रहती है तो इसकी कई वजहें हो सकती है। इसको बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। नाभि के आसपास या उसके नीचे दर्द पेल्विक पेन या कई तरह के इंफेक्शन की वजह से हो सकती है। आइए आपको बताते हैं पेट के निचले हिस्से में दर्द का कारण...

पेट के निचले हिस्से में दर्द की ये है वजह

यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन

कई बार महिलाओं को पेट के निचले हिस्से में यूटीआई की वजह से दर्द होता है। पानी कम पीने से भी पेट में संक्रमण हो जाता है, दर्द की वजह बनता है। इसमें पेशाब में जलन और बहुत बारी टॉयलेट आने के लक्षण होते हैं।

पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज

प्रजजन प्रणाली में संक्रमण होने पर पेट के निचले हिस्से में दर्द होता है। इससे गर्भाशय, फैलोपियन ट्यूब और अंडाशय प्रभावित हो सकता है। कई बार इस जगह पर इंफेक्शन हो जाता है, जो गंभीर भी हो सरका है। इसके लिए तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लें।

मांसपेशियों में दर्द

कई बार जिम में एक्सरसाइज, डांस या स्विमिंग करने से भी पेट के निचले हिस्से में दर्द होता है। इससे पेट की मांसपेशियों में दर्द रहता है। कई बार ऐसा झटके से भारी चीज उठाने की वजह से भी होता है।

गैस

गैस की समस्या होने पर भी पेट के निचले हिस्से में दर्द होता है। पेट में गैस बनने से महिलाओं के लोअर एब्डोमिन में पेन होता है। इसके लिए आप गैस से राहत वाली दवाओं का सेवन करें। इसके अलावा महिलाओं को पीरियड्स में पेट में दर्द होता है। इससे पेट में दर्द, ऐंठन और जलन भी होने लगती है। कई बार पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द होता है। हांलाकि इस समय ज्यादातर महिलाओं को पेट दर्द की परेशानी रहती है तो इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

संक्षिप्त

केरल में क्रिसमस के पहले चार दिनों में 332.62 करोड़ रुपये की हुई शराब बिक्री

केरल में क्रिसमस के जश्न के दौरान केरल स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन (केएसबीसी) ने अपने बीईवीसीओ बिक्री केंद्रों से पहले चार दिनों में 332.62 करोड़ रुपये की शराब बेची। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, चार दिनों में केएसबीसी की शराब दुकानों और गोदामों से कुल 332.62 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। पिछले साल की इसी अवधि में यह बिक्री 229.54 करोड़ रुपये थी। सबसे अधिक बिक्री 24 दिसंबर को 114.45 करोड़ रुपये की हुई। 22 दिसंबर को 77.62 करोड़ रुपये, 23 दिसंबर को 81. 34 करोड़ रुपये और 25 दिसंबर को 59.21 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई। केएसबीसी 22 से 31 दिसंबर तक के समय को क्रिसमस–नए साल का त्योहारी मौसम मानता है। केएसबीसी के अधिकारियों के अनुसार नए साल के जश्न के दौरान 30 और 31 दिसंबर को शराब की बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है।

बम डिस्पोजल के लिए पहली बार भारत में खास मानक, मजबूत होगी सुरक्षा

नई दिल्ली। देश में बम निस्तारण से जुड़े उपकरणों के लिए अब एक साफ–सुथरा और तय भारतीय नियम बन गया है। भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने IS 19445:2025 नाम से यह नया मानक जारी किया है। इसका मकसद यह तय करना है कि बम निस्तारण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण विस्फोट और छर्रों के असर को कितनी अच्छी तरह रोक पाते हैं।

मानक का उद्देश्य

यह मानक केंद्रीय गृह मंत्रालय और टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला के अनुरोध पर विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य निर्माताओं, खरीद एजेंसियों और परीक्षण संस्थानों को एक समान, वस्तुनिष्ठ और विश्वसनीय मूल्यांकन ढांचा उपलब्ध कराना है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि यह मानक स्वैच्छिक अपनाने के लिए है। उनके अनुसार, इसके लागू होने से मूल्यांकन प्रक्रियाओं में एकरूपता आएगी, गुणवत्ता–आधारित निर्माण को बढ़ावा मिलेगा और महत्वपूर्ण सुरक्षा अभियानों में तैनात बम निस्तारण प्रणालियों पर भरोसा मजबूत होगा।

भारतीय मानक की जरूरत क्यों पड़ी?

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया कि मानक में परीक्षण उपकरणों, परीक्षण क्षेत्र की स्थितियों और मूल्यांकन प्रक्रियाओं से जुड़ी विस्तृत आवश्यकताएं शामिल हैं, ताकि प्रणालियों की प्रभावशीलता का निष्पक्ष आकलन किया जा सके। भारतीय मानक की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मानक या तो सीमित पहुंच वाले हैं या भारत की सुरक्षा एजेंसियों के सामने आने वाले खतरे और परिचालन परिस्थितियों से पूरी तरह मेल नहीं खाते। भारतीय सशस्त्र बल, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य पुलिस और नागरिक एजेंसियां संघर्ष क्षेत्रों, सैन्य छावनियों और सार्वजनिक स्थानों पर बिना फटे बमों, आईईडी और हैंड ग्रेनेड जैसे खतरों का सामना कर रही हैं। इन जोखिमों को कम करने के लिए बम ब्लैंकेट, बम बास्केट और बम इनहिबिटर जैसी प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाता है। नया मानक परीक्षण पद्धतियों, उपकरणों, नमूनों और स्वीकृति मानदंडों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, जिससे निर्माताओं और मान्यता प्राप्त परीक्षण एजेंसियों को प्रदर्शन मानकों के अनुरूपता की पुष्टि करने में मदद मिलेगी। मंत्रालय के अनुसार, IS 19445:2025 को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए, भारतीय खतरे परिदृश्यों और परिचालन वातावरण के अनुरूप ढाला गया है। इससे वैश्विक समन्वय के साथ राष्ट्रीय जरूरतें भी पूरी होंगी और भारतीय निर्माताओं की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बल मिलेगा।

मंजूरी के छह महीने बाद धारावी पुनर्विकास को मिली रफ्तार, निर्माण कार्य में आई तेजी

नई दिल्ली। अदाणी समूह की अगुवाई में चल रही धारावी पुनर्विकास परियोजना ने 2025 में निर्णायक मोड़ लिया। वर्षों से कागजों में सिमटी रही यह बहुप्रतीक्षित योजना अब वास्तविक निर्माण के चरण में पहुंच गई है। इस साल 6.5 एकड़ रेलवे भूमि पर निर्माण कार्य की शुरुआत हुई, जिसे बीते चार दशकों में पहली ठोस प्रगति माना जा रहा है। यह विकास महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई महानगर क्षेत्र में कई भूमि भूखंड आवंटित किए जाने के बाद संभव हुआ है। इन भूखंडों का उपयोग उन निवासियों के पुनर्वास के लिए किया जाएगा, जो धारावी में ऑन–साइट पुनर्विकास के पात्र नहीं हैं।

यह परियोजना सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल पर आधारित

परियोजना को एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के जरिए लागू किया जा रहा है, जो राज्य सरकार और निजी भागीदार के बीच सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल पर आधारित है। इस ढांचे में भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहता है, जबकि एसपीवी विकास अधिकार प्रीमियम का भुगतान कर परियोजना को क्रियान्वित करता है। इसे एक ऐसे प्रोजेक्ट के लिए व्यावहारिक रास्ता बताया गया है, जिसे लंबे समय तक अत्यधिक जटिल माना जाता रहा। तकनीकी मोर्चे पर भी 2025 में बड़ा पड़ाव पार हुआ। धारावी क्षेत्र का चार चरणों वाला वैज्ञानिक सर्वे लगभग पूरा कर लिया गया है। इसी डेटा के आधार पर धारावी का पहला डिजिटल ट्विन तैयार किया गया है, जो तेज विवाद निपटान, पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया और भविष्य के अनुकूल प्रशासन में मदद करेगा। इसके साथ ही 2025 में राज्य सरकार को एक नया मास्टर प्लान भी सौंपा गया है। इस योजना का उद्देश्य धारावी की मौजूदा लाइव–वर्क संस्कृति और औद्योगिक पहचान को आधुनिक शहरी ढांचे, बेहतर बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स के साथ एकीकृत करना है। निर्माण और योजना के अलावा, परियोजना के तहत श्धारावी सोशल मिशनश भी शुरू किया गया, जिसके जरिए करीब 7,000 लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाई गई। इसमें युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और रोजगार अवसर, नेत्र जांच शिविर, मोतियाबिंद सर्जरी जैसी स्वास्थ्य सेवाएं, व पेंशन और शिक्षा सहायता जैसी सरकारी योजनाओं तक पहुंच में मदद शामिल है।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में 14 साल बाद टेस्ट जीता, मेलबर्न में 4 विकेट से हासिल की जीत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट को इंग्लिश टीम ने दूसरे दिन ही छह विकेट गंवाकर अपने नाम किया। 175 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने चार विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। हालांकि, इस हार से सीरीज पर कोई फर्क नहीं पड़ा। ऑस्ट्रेलिया शुरुआती तीन टेस्ट जीतकर पहले ही अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। इंग्लैंड ने इस जीत के साथ आखिरकार जीत का स्वाद चखा और सीरीज की स्थिति फिलहाल 3–1 है। इतना ही नहीं, इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में 14 साल 11 महीने बाद कोई टेस्ट जीता है। इंग्लैंड ने पिछली बार जनवरी 2011 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीता था। इसके बाद अब जाकर इंग्लिश टीम ने ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट जीता है। 2013/14 में ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर एशेज में कंगारुओं ने 5–0 से जीत हासिल की थी। 2017/18 में ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर एशेज में कंगारुओं ने 4–0 से जीत हासिल की थी। 2021/22 में अपनी सरजमीं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4–0 से जीत हासिल की। इस तरह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का उनके खिलाफ लगातार 18 जीत के सिलसिले को तोड़ दिया।

रूट और स्टोक्स की ऑस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट जीत

यूं तो पूरी इंग्लैंड टीम में मौजूद खिलाड़ियों के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली जीत है, लेकिन यह बेन स्टोक्स और जो रूट के लिए खास मायने रखता है। इन दोनों की ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली टेस्ट जीत है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के हर दौरे पर इन दोनों को हार का सामना करना पड़ा या ड्रॉ पर मैच खत्म हुआ। पहले दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। उनके फैसले को इंग्लिश गेंदबाजों ने सही साबित किया और ऑस्ट्रेलियाई पारी को 152 रन पर समेट दिया। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 110 रन पर सिमट गई। इस तरह

ऑस्ट्रेलिया को 42 रन की बढ़त हासिल हुई थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में 34.3 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई। 42 रन को मिलाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम की कुछ बढ़त 174 रन की हुई।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी खराब रही। नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम 45.2 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। माइकल नेसेर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। वहीं, ट्रेविस हेड 12 रन, जेक वेदराल्ड 10 रन और मार्नस लाबुशेन छह रन बनाकर आउट हुए। कप्तान स्मिथ नौ रन ही बना सके। उस्मान ख्वाजा और एलेक्स कैरी ने पारी संभालना की कोशिश की, लेकिन ख्वाजा 29 रन और कैरी 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कैमरन ग्रीन और नेसेर के बीच सातवें विकेट के लिए सबसे ज्यादा 52 रन की साझेदारी हुई। ग्रीन 17 रन बनाकर आउट हुए। नेसेर ने 49 गेंद पर 35 रन की अपनी पारी में सात चौके लगाए। स्टार्क एक रन और बोलैंड खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया बिना किसी विशेषज्ञ स्पिनर के मैदान पर उतरा है। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने पांच विकेट झटके। वहीं, गस एटकिंसन को दो विकेट मिले। ब्राइडन कार्स और कप्तान स्टोक्स ने एक–एक विकेट लिया।

इंग्लैंड की पहली पारी

कंगारुओं के 152 रन के जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी की शुरुआत भी खराब रही। 16 रन पर टीम ने चार विकेट गंवा दिए थे। जैक क्राउली पांच रन, बेन डकेट दो रन और जैकब बेथेल एक रन बनाकर आउट हुए। जो रूट खाता भी नहीं खोल सके। स्टार्क ने क्राउली–डकेट और नेसेर ने बेथेल–रूट के विकेट झटके। इसके बाद ब्रूक और स्टोक्स के बीच पांचवें विकेट के लिए अब तक 50 रन की साझेदारी हुई। ब्रूक आक्रामक बल्लेबाजी करने के चक्कर में विकेट गंवा बैठे। वह 34 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जेमी स्मिथ दो रन और विल जैक्स पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान स्टोक्स भी ज्यादा देर तक मैदान पर नहीं रह सके और 16 रन बनाकर आउट हो गए। गस एटकिंसन ने जरूर 28 रन की पारी खेली। ब्राइडन कार्स चार और जोश टंग एक रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसेर ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड ने तीन विकेट लिए। मिचेल स्टार्क को दो विकेट मिले। कैमरन ग्रीन ने एक विकेट लिया। इंग्लैंड के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़े नहीं छू सके।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को नियमित अंतराल पर झटके लगते रहे। टीम के आठ बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से तीन खाता भी नहीं खोल पाए। स्कॉट बोलैंड छह रन, जेक वेदराल्ड पांच रन, मार्नस लाबुशेन आठ रन, एलेक्स कैरी चार रन और जे रिचर्डसन सात रन बनाकर आउट हुए। वहीं, उस्मान ख्वाजा, माइकल नेसेर और स्टार्क खाता नहीं खोल सके। ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए।

इंडिगो उड़ान संकट की जांच करने वाली समिति ने DGCA को रिपोर्ट सौंपी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के मामले की जांच करने वाली चार–सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट विमानन नियामक डीजीसीए को सौंप दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्रम्हाणे की अध्यक्षता में इस समिति का गठन पांच दिसंबर को किया गया था। समिति को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि वह उन परिस्थितियों की व्यापक समीक्षा करे, जिनकी वजह से इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें कई दिनों तक रद्द हुई थीं। अधिकारी ने कहा कि जांच समिति ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट डीजीसीए को सौंप दी। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट की प्रतियां नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा के कार्यालय को भी भेजी गई हैं। हालांकि, रिपोर्ट के निष्कर्षों का ब्योरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस समिति में ब्रम्हाणे के अलावा डीजीसीए के उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन रामपाल शामिल थे। इस महीने के शुरुआती सप्ताह में इंडिगो की उड़ानें बड़े पैमाने पर निरस्त हुई थीं। इस दौरान एक दिन 1,600 से अधिक उड़ानें भी रद्द करनी पड़ी थीं। इसके अलावा बड़ी संख्या में उड़ानें कई घंटों की देरी से भी रवाना हुईं जिससे देशभर के हवाई अड्डों पर यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी थी। चालक दल के सदस्यों की तैनाती एवं विश्राम से संबंधित नए मानकों को लागू करने के लिए इंडिगो ने समय पर तैयारी नहीं की थी जिसकी वजह से यह व्यापक गतिरोध पैदा हुआ। उड़ान बाधाओं के बाद डीजीसीए ने इंडिगो को अपना शीतकालीन उड़ानों की संख्या में 10 प्रतिशत तक

कटौती करने का निर्देश दिया था। साथ ही, एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) इसिड्रे पोर्केरास को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए। नियामक ने समिति के गठन से जुड़े आदेश में कहा था कि प्रथम दृष्टया यह स्थिति आंतरिक निगरानी, परिचालन तैयारी और नियामकीय अनुपालन की योजना में गंभीर खामियों की तरफ इशारा करती है, जिसके चलते स्वतंत्र जांच जरूरी हो गई।

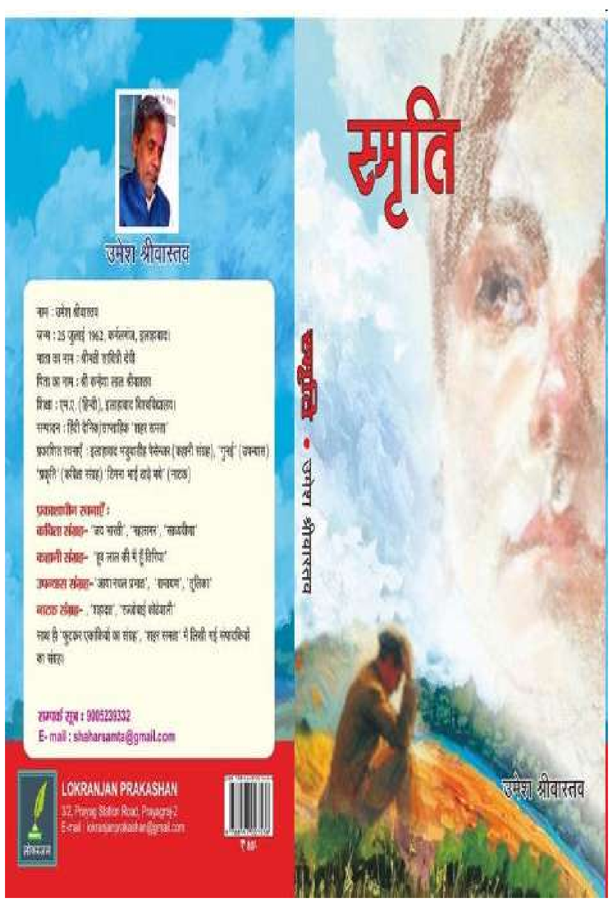

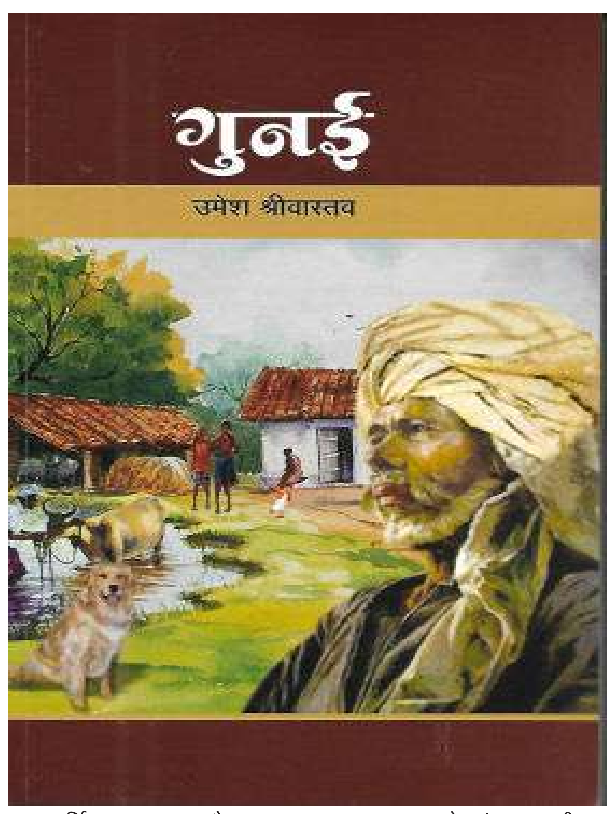

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

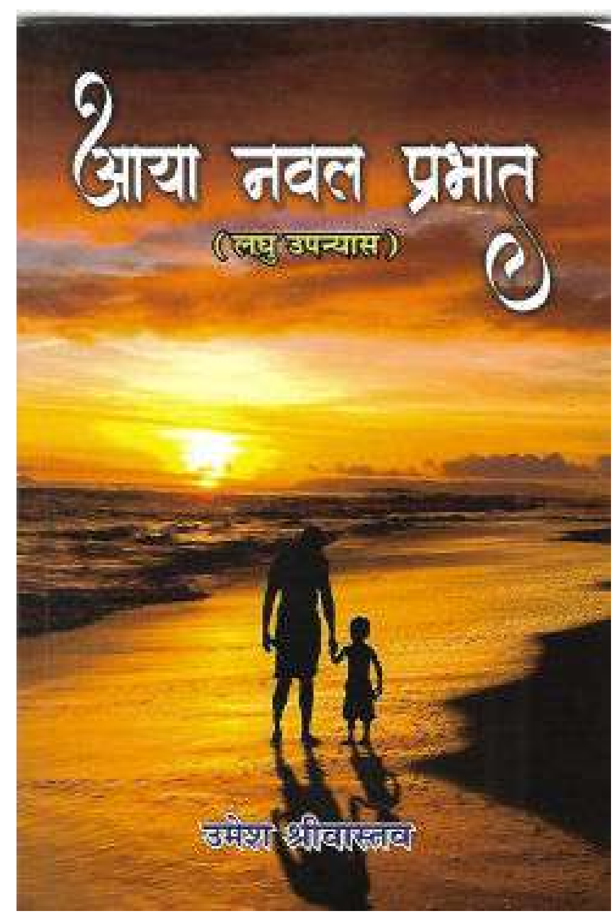

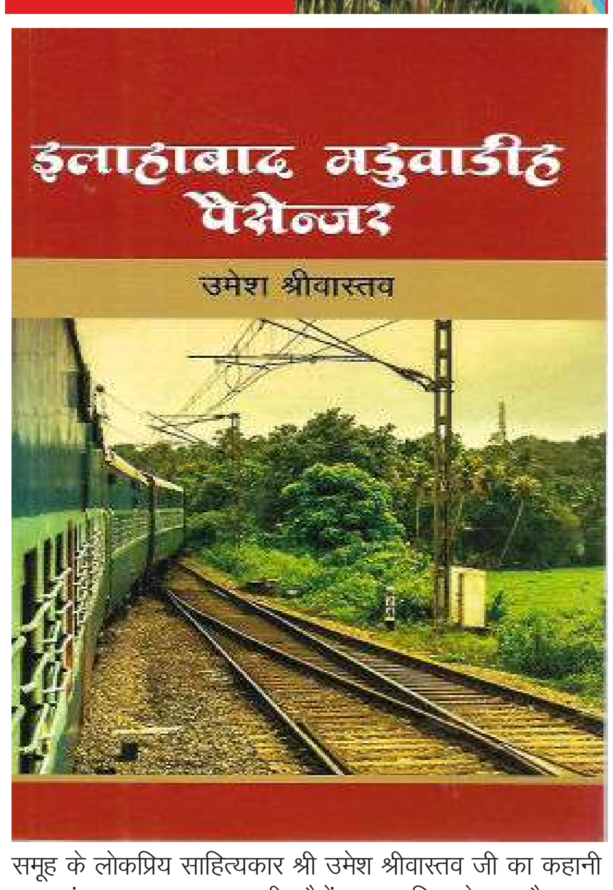

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

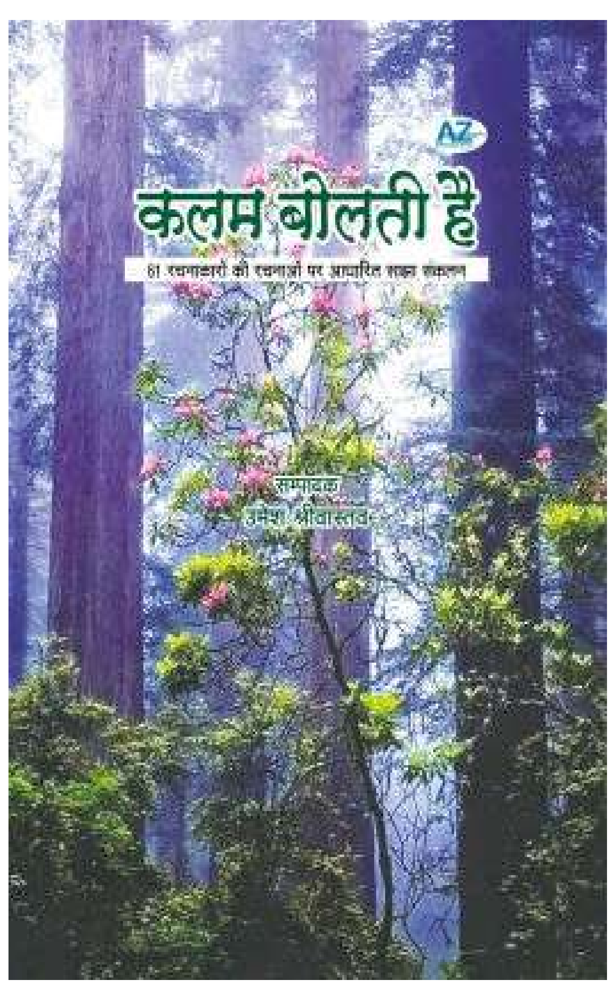

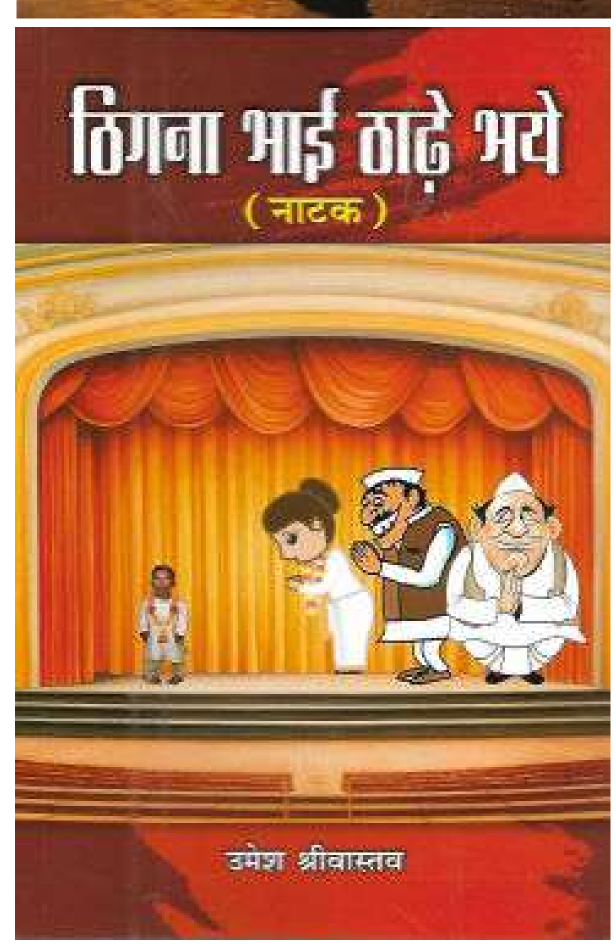

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने हथियारों और गोला–बारूद का उत्पादन 22 गुना बढ़ाया

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने हथियारों और गोला–बारूद का उत्पादन 22 गुना बढ़ा दिया है। पुतिन ने रक्षा उद्योग के अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि टैंकों का उत्पादन 2.2 गुना बढ़ा है, सैन्य विमानों का 4.6 गुना, जबकि स्ट्राइक हथियारों और गोला–बारूद का उत्पादन 22 गुना बढ़ गया है। उनके संबोधन को टेलीविजन पर प्रसारित किया गया।

सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर पुतिन ने कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार बदलने के साथ अभियान में शामिल सैनिकों को आपूर्ति करने वाली रक्षा कंपनियों को सभी आवश्यक उपकरण मिल रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'रिया नोवोस्ती' ने पुतिन के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि सरकार ने उद्योगों को अपनी सामग्री और तकनीकी आधार को तेजी से मजबूत करने की अनुमति दी, जिससे 2022 से अत्यधिक मांग वाले हथियारों के उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

इमरान खान की पाटह्व पीटीआई का दावा, प्रदर्शन से पहले एक हजार से अधिक समर्थकों को गिरफ्तार किया

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रांतीय और संघीय स्तर पर सैन्य समर्थित सरकारों के खिलाफ पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के प्रदर्शन को विफल करने के लिए उसके एक हजार से अधिक समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पाकिस्तान

तहरीक–ए–इंसाफ के नेता मोईन रियाज कुरैशी ने कहा कि पंजाब पुलिस ने लाहौर में पार्टी के समर्थकों के दर्जनों वाहनों को भी प्रवेश करने से रोक दिया, जो वरिष्ठ पार्टी नेता और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के साथ प्रदर्शन के लिए आए थे। इमरान भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में अगस्त 2023 से जेल में हैं। अफरीदी समेत पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के कई वरिष्ठ नेता इमरान की रिहाई के मकसद से पंजाब प्रांत में आंदोलन शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ ने संघीय सरकार और पंजाब प्रांत दोनों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के नेतृत्व वाली सैन्य समर्थित सरकार पर इमरान का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।

सीरिया में मस्जिद में बम विस्फोट में आठ लोगों की मौत, 18 अन्य घायल

सीरिया के होम्स शहर में स्थित एक मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए बम विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' द्वारा जारी की गई तस्वीरों में मस्जिद के कालीनों पर खून, दीवारों में छेद, टूटी खिड़कियां और आग से हुई क्षति दिखाई दे रही है। इमाम अली इब्न अबी तालिब मस्जिद सीरिया के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स के वादी अल–धाहब में स्थित है। समाचार एजेंसी ने एक सुरक्षा सूत्र का हवाला देते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि मस्जिद के अंदर विस्फोटक उपकरण लगाए गए थे। सीरिया के गृह मंत्रालय ने एक बयान में

कहा कि अधिकारी अपराधियों की तलाश कर रहे हैं और उनकी अब तक पहचान नहीं हो पाई है। सरया अंसार अल–सुन्ना नामक समूह ने अपने टेलीग्राम चौनल पर एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। इससे पहले जून में इसी समूह ने एक आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली थी जिसमें एक बंदूकधारी ने दमिश्क के बाहरी इलाके ड्वेला में एक 'ग्रीक ऑर्थोडॉक्स' गिरजाघर के अंदर गोलीबारी की थी और फिर विस्फोटक जैकेट में विस्फोट कर दिया था। इस हमले में रविवार को प्रार्थना कर रहे 25 लोगों की मौत हो गई थी। सीरिया की सरकार ने इस्लामिक स्टेट समूह के एक गुट पर गिरजाघर पर हमले का आरोप लगाया है और कहा है कि आईएस ने एक शिया मुस्लिम तीर्थस्थल को भी निशाना बनाने की साजिश रची थी। आईएस ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

11 हजार इंजीनियर और 5 हजार डॉक्टर ने पाकिस्तान को बोला Bye-Bye, मुनीर की होने लगी थू–थू

पाकिस्तान में प्रतिभाओं का पलायन अपने अब तक के सबसे बुरे दौर में से एक का सामना कर रहा है, जहां बिगड़ती आर्थिक उथल–पुथल और राजनीतिक अस्थिरता के बीच सिर्फ दो वर्षों में हजारों डॉक्टर, इंजीनियर और लेखाकार देश छोड़कर जा रहे हैं। हाल ही में आई एक सरकारी रिपोर्ट ने इस वास्तविकता को उजागर कर दिया है, जिसमें कहा गया है कि पिछले 24 महीनों में पाकिस्तान ने 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 लेखाकार खो दिए हैं। इससे पाकिस्तानी सरकार का मजाक उड़ा रहे हैं और सेना प्रमुख आसिम मुनीर का उपहास कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में इस बड़े पैमाने पर पलायन को सकारात्मक रूप देने की कोशिश की और इसे प्रतिभा लाभ बताया। खोखर ने प्रवासन के आंकड़ों के साथ ट्वीट किया हालांकि, ठोस आंकड़े मुनीर के बड़े–बड़े दावों को झूठा साबित कर रहे हैं। इस रिपोर्ट को पूर्व पाकिस्तानी सीनेटर मुस्तफा नवाज़ खोखर ने प्रमुखता से उठाया। अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए राजनीति को सुधारना होगा! पाकिस्तान फ्रीलांसिंग का चौथा सबसे बड़ा केंद्र भी है और इंटरनेट बंद होने से 1.62 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, जिससे 2.37 मिलियन फ्रीलांसिंग नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। पाकिस्तान के प्रवासन एवं विदेश रोजगार ब्यूरो द्वारा हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों से भयावह तस्वीर सामने आती है। 2024 में 727,381 पाकिस्तानी नागरिकों ने विदेश में रोजगार के लिए पंजीकरण कराया था। इस वर्ष नवंबर तक 687,246 लोगों ने पंजीकरण कराया है। चिंता की बात यह है कि अब यह पलायन केवल खाड़ी देशों में मजदूरी की तलाश में निकले मजदूरों या विदेश में गुपचुप तरीके से काम करने की कोशिश कर रहे पेशेवर भिखारियों तक ही सीमित नहीं है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र रहा है। 2011 से 2024 के बीच, पाकिस्तान में नर्सों के पलायन में अभूतपूर्व 2,144ः की वृद्धि देखी गई। पाकिस्तान के एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रवृत्ति इस वर्ष भी जारी रही। उच्च–स्तरीय पेशेवरों के अचानक पलायन ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार को हवाई अड्डों पर नियंत्रण कड़ा करने के लिए प्रेरित किया है। दरअसल, तस्करी और भीख मांगने के रैकेटों को लेकर चिंताओं के बीच, 2025 में पाकिस्तानी हवाई अड्डों से 66,154 यात्रियों को उतारा गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना है। इसके अलावा, हजारों पाकिस्तानियों को खाड़ी देशों और अन्य देशों से भीख मांगने और अवैध प्रवास के आरोप में निर्वासित किया गया।

बांग्लादेश में जिहादियों का अटैक, मशहूर सिंगर जेम्स के कॉन्सर्ट में मचा हंगामा

बांग्लादेशी रॉक संगीतकार जेम्स का संगीत कार्यक्रम आयोजकों द्वारा बाहरी लोगों के हमले के रूप में वर्णित घटना के बाद रद्द कर दिया गया। बीडीन्यूज़24 के अनुसार, फरीदपुर जिला स्कूल में निर्धारित कार्यक्रम उस समय हिंसक हो गया जब कुछ लोगों को प्रवेश से मना कर दिया गया और उन्होंने जबरन कार्यक्रम स्थल में घुसने की कोशिश की और मंच पर ईंट–पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कम से कम 25 लोग घायल हुए, जिनमें 15 से 20 छात्र शामिल हैं। यह संगीत कार्यक्रम फरीदपुर जिला स्कूल की 185वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा था और दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन रात 9 बजे होना था। आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम शुरू होने से कुछ ही क्षण पहले, एक समूह ने कार्यक्रम स्थल में जबरन घुसने की कोशिश की। इसके बाद भीड़ ने मंच पर ईंट–पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिसके बाद छात्रों के विरोध के चलते मंच को पीछे हटना पड़ा, डेलीस्टार ने यह

रिपोर्ट दी। रात 10 बजे तक, आयोजन समिति के संयोजक मुस्तफिजुर रहमान शमीम ने फरीदपुर के उपायुक्त के निर्देशानुसार गायक के कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा की। जेम्स के संगीत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हमने सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं। लेकिन हमें समझ नहीं आ रहा कि यह हमला क्यों, किस कारण से और किसने किया, यह बात वर्षगांठ प्रचार और मीडिया उपसमिति के प्रमुख राजिबुल हसन खान ने कही। उन्होंने यह भी बताया कि अराजकता के कारण कम से कम 15 से 20 छात्र घायल हो गए। लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि मैहर घराना के कलाकार सिराज अली खान निर्धारित कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ होने के बाद ढाका में प्रस्तुति दिए बिना ही भारत लौट गए। हाल ही में, उस्ताद राशिद खान के बेटे अरमान खान ने भी संगीत कलाकारों के लिए भीड़ द्वारा बनाए गए अपमानजनक और असुरक्षित माहौल का हवाला देते हुए ढाका के प्रस्तुति निमंत्रण को ठुकरा दिया। कुछ दिन पहले सिराज अली खान ढाका आए थे... उन्होंने ढाका में कोई कार्यक्रम किए बिना ही भारत लौट गए। उन्होंने कहा कि जब तक कलाकार, संगीत और सांस्कृतिक संस्थान सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक वे बांग्लादेश नहीं आएंगे। तस्लीमा नसरीन ने अपने फेसबुक अकाउंट पर यह जानकारी दी। दो दिन पहले उस्ताद राशिद खान के बेटे अरमान खान ने भी ढाका का निमंत्रण ठुकरा दिया था। उन्होंने भी साफ कर दिया था कि वे बांग्लादेश में कदम नहीं रखना चाहते।

भारतीय सेना ला रही 20 सुपर किलर, हमले से बचने के लिए पाकिस्तान करने लगा तैयारी

बॉर्डर की सुरक्षा बहुत बड़ा गंभीर विषय है क्योंकि लगातार बॉर्डर पर कई तरह की चुनौतियां भारत के सामने हैं। चीन और पाकिस्तान से लगती सीमाओं के पास भारत के पास पहले से ही एक बड़ी चुनौती खड़ी रही है। हाल के दिनों में थोड़ा बहुत परेशानी जो है भारत को नेपाल के बॉर्डर पर भी देखने को मिली और अब नया थ्रेट बांग्लादेश है। बांग्लादेश से लगती हुई सीमाओं को लेकर भारतीय सेना काफी ज्यादा अलर्ट है। उसकी नजरें हैं। लगातार बीएसएफ जो है वो बॉर्डर्स की निगरानी कर रही है। लेकिन जिस तरह का माहौल तैयार हो रहा है। जिस तरह से कट्टरपंथी ताकत वहां उभार मार रहे हैं। जिस तरह से बांग्लादेश के चरमपंथी गुट यूनुस सरकार पाकिस्तान से जा तालमेल बढ़ा रही है। खतरा बढ़ा है तो भारतीय सेना ताबड़तोड़ फैसले कर रही है और बॉर्डर की सुरक्षा को सुनिश्चित कर रही है। खबर यह है कि भारतीय सेना ने सीमा पर निगरानी और चौकस करने के लिए उसे मजबूत करने के लिए 20 नए टॅकिल रिमोटली

पायलटेड एयरक्राफ्ट यानी कि आरपीएस खरीदने की योजना तैयार की है। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए भारतीय कंपनियों से जानकारी मांगी है। आरएफआई जारी किया है। इससे 10 जो ड्रोन है वो मैदानी इलाकों में 10 ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हाई एल्टीट्यूड पर होंगे। इनमें साफ है कि पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा एलओसी और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी दोनों पर ड्रोन से निगरानी बढ़ानी चाहती है। भारत के इस एक्शन प्लान से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों से घबराए पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के अग्रिम क्षेत्रों में ड्रोन–रोधी तैनाती में भारी वृद्धि की है। रावलकोट में ड्रोन रोधी उपकरणों का संचालन मुख्य रूप से दूसरी आज़ाद कश्मीर ब्रिगेड द्वारा किया जाता है, जो पुंछ सेक्टर में भारतीय चौकियों के सामने वाले क्षेत्रों की ज़िम्मेदारी संभालती है। कोटली में यह ज़िम्मेदारी तीसरी आज़ाद कश्मीर ब्रिगेड के पास है, जिसके कार्यक्षेत्र में राजौरी, पुंछ, नौशेरा और सुंदरबनी के सामने वाले सेक्टर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार भीमबर सेक्टर की ज़िम्मेदारी सातवीं आज़ाद कश्मीर ब्रिगेड के पास है। नियंत्रण रेखा के साथ–साथ, पाकिस्तान ने इलेक्ट्रॉनिक और गतिज दोनों प्रकार की अमेरिकी मिसाइल प्रणालियों को शामिल किया है। तैनात किए गए प्रमुख सिस्टमों में स्पाइडर काउंटर–यूएएस सिस्टम शामिल है, जो निष्क्रिय रेडियो–फ्रीक्वेंसी डिटेक्शन और दिशा–निर्धारण तकनीकों का उपयोग करता है और दावा किया जाता है कि यह 10 किलोमीटर तक की दूरी पर छोटे लोइटरिंग मुनिशन्स और बड़े ड्रोन का पता लगा सकता है। इसके अलावा, सफराह एंटी–यूएवी जैमिंग गन का भी उपयोग किया जा रहा है, जो एक पोर्टेबल, कंधे से दागी जाने वाली प्रणाली है जिसकी प्रभावी रेंज लगभग 1.5 किलोमीटर है।.

नमाज पढ़ते फिलिस्तीनी पर चढ़ा दी गाड़ी, इजरायली सैनिक ने दिखाया नफरत का खौफनाक मंजर

पिछले 2 साल से इजराइल और हमास के बीच जंग चल रही है जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। लेकिन इस जंग के बीच वेस्ट बैंक के इलाके से एक हैरान कर देने वाला फुटेज सामने आया है। इजरायली सैनिक जो कि एक रिजर्व सैनिक है, उसने फिलिस्तीनी शख्स पर उस वक्त गाड़ी चढ़ा दी जब वह नमाज पढ़ रहा था। इससे पहले इस शख्स ने गोलियां बरसाई थी। इजरायली मीडिया की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि फुटेज में एक शस्त्रधारी व्यक्ति फिलिस्तीनी शख्स पर गाड़ी दौड़ा रहा है। जिसमें यह भी कहा गया है कि वह व्यक्ति आरक्षित श्रेणी यानी कि रिजर्व सैनिक था और उसकी सैन्य सेवाएं खत्म कर दी गई थी। बयान में आगे कहा गया है कि आरक्षित सैनिक ने अपने अधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक उसका हथियार छीन लिया गया है। इसके अलावा अब उसे घर में ही नजरबंद रखा गया है। इसरली पुलिस ने रॉयटर्स को तुरंत जवाब नहीं दिया। वाहन से हमले के बाद फिलिस्तीनी शख्स को अस्पताल ले जाया गया। गनीमत रही कि वह इस हमले के दौरान बच गया। यहां पर जांच के बाद उसे घर भेज दिया गया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें नजर आ रहा है कि एक शख्स सड़क पर नमाज पढ़ रहा है। तभी सिविलियन कपड़ों में एक व्यक्ति ऑफ रोड वाहन पर सवार होकर आता है। उसके कंधे पर बंदूक टंगी हुई है। वो वाहन को नमाज कर रहे व्यक्ति के ऊपर चढ़ा देता है। आपको बता दें कि वेस्ट बैंक में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार इस साल वेस्ट बैंक में इसराइली नागरिकों द्वारा फिलिस्तीनियों पर किए गए हमलों के मामलों में अब तक का सबसे हिंसक साल रहा। इसमें 750 से ज्यादा लोग घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 7 अक्टूबर 2023 से 17 अक्टूबर 2025 के बीच पश्चिमी किनारे में 1000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए।

किस बात पर इतना भड़क गए जिनपिंग? अमेरिका की 20 रक्षा कंपनियों पर ठोक दिया बैन

चीन और अमेरिका के बीच का विवाद अब और बढ़ता जा रहा। ताइवान को लेकर चल रही खींचतान के बीच अब चीन ने अमेरिका के खिलाफ सबसे बड़ी जवाबी कारवाई कर दी। चीन के राष्ट्रपति शी जिंपिंग के निर्देश पर चीन ने 20 अमेरिकी रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा ताइवान को रिकॉर्ड 11.1 अरब डॉलर के हथियार बिक्री पैकेज को मंजूरी दिए जाने के जवाब में उठाया गया है। चीन का साफ कहना कि ताइवान का मुद्दा चीन के लिए किसी भी कीमत पर समझौते का विषय नहीं। चीन के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान से जुड़ा सवाल चीन के मूल हितों के केंद्र में है और यह चीन अमेरिका संबंधों की रेड लाइन। इस रेड लाइन को पार करने की किसी भी कोशिश को दृढ़ और सख्त जवाब दिया जाएगा। चीन के मुताबिक अमेरिका लगातार वन चाइना पॉलिसी का उल्लंघन कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियार बेचना ना सिर्फ चीन की संप्रभुता को चुनौती देता है बल्कि उस क्षेत्र की शांति और स्थिरता को कमजोर भी करता है। इसी के जवाब में चीन ने उन 20 अमेरिकी रक्षा कंपनियों और उनसे जुड़े 10 अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है जो हाल के सालों में ताइवान को हथियार सप्लाई कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।